

تَسَايُحُ
محمد طاهر

تسابيح / نصوص نثرية

محمد طاهر

الطبعة الأولى ، ٢٠٠٩



دار اكتب للنشر والتوزيع

القاهرة ، اش المعهد الديني ، المرج

هاتف : ٢٢٤٤٠٥٠٤٧

موبايل : ٠١٢٩٢٥١٥٩٢ - ٠١٨٢٣٦٣٠٣٥

E – mail : dar_oktob@gawab.com

المدير العام :

يحيى هاشم

تصميم الغلاف :

محمد شكري

رقم الإيداع : ٢٠٠٩/٢٥١١٩

I.S.B.N: ٩٧٨- ٩٧٧- ٦٢٩٧- ٠٩- ٧

جميع الحقوق محفوظة ©

تَسَايُحُ

نصوص تثرية

محمد طاهر

الطبعة الأولى

٢٠٠٩



دار اكتب للنشر والتوزيع

الْإِهْدَاءُ

إِلَى فِكْرَةٍ
تَخْبِرُ
وَتَلْمَعُ
وَالْهَتْ خَلْفَهَا
بَيْنَ زَحَامِي

إِلَى كَلِمَةٍ
تَقْرُؤُنِي
جُنُونًا

إِلَى وَاقِعٍ
سَيِّئٍ ، سَا
إِلَيْكُمَا
وَالِإِ أَرْبَعِ سَاعَاتٍ
تَفْصِلُنَا

يَا مَنْ يُنَادِينِي بِـ مُسْحَمَدٍ

1000

1	2	3	4	5	6	7	8	9	10	11	12	13	14	15	16	17	18	19	20	21	22	23	24	25	26	27	28	29	30	31	32	33	34	35	36	37	38	39	40	41	42	43	44	45	46	47	48	49	50	51	52	53	54	55	56	57	58	59	60	61	62	63	64	65	66	67	68	69	70	71	72	73	74	75	76	77	78	79	80	81	82	83	84	85	86	87	88	89	90	91	92	93	94	95	96	97	98	99	100	101	102	103	104	105	106	107	108	109	110	111	112	113	114	115	116	117	118	119	120	121	122	123	124	125	126	127	128	129	130	131	132	133	134	135	136	137	138	139	140	141	142	143	144	145	146	147	148	149	150	151	152	153	154	155	156	157	158	159	160	161	162	163	164	165	166	167	168	169	170	171	172	173	174	175	176	177	178	179	180	181	182	183	184	185	186	187	188	189	190	191	192	193	194	195	196	197	198	199	200	201	202	203	204	205	206	207	208	209	210	211	212	213	214	215	216	217	218	219	220	221	222	223	224	225	226	227	228	229	230	231	232	233	234	235	236	237	238	239	240	241	242	243	244	245	246	247	248	249	250	251	252	253	254	255	256	257	258	259	260	261	262	263	264	265	266	267	268	269	270	271	272	273	274	275	276	277	278	279	280	281	282	283	284	285	286	287	288	289	290	291	292	293	294	295	296	297	298	299	300	301	302	303	304	305	306	307	308	309	310	311	312	313	314	315	316	317	318	319	320	321	322	323	324	325	326	327	328	329	330	331	332	333	334	335	336	337	338	339	340	341	342	343	344	345	346	347	348	349	350	351	352	353	354	355	356	357	358	359	360	361	362	363	364	365	366	367	368	369	370	371	372	373	374	375	376	377	378	379	380	381	382	383	384	385	386	387	388	389	390	391	392	393	394	395	396	397	398	399	400	401	402	403	404	405	406	407	408	409	410	411	412	413	414	415	416	417	418	419	420	421	422	423	424	425	426	427	428	429	430	431	432	433	434	435	436	437	438	439	440	441	442	443	444	445	446	447	448	449	450	451	452	453	454	455	456	457	458	459	460	461	462	463	464	465	466	467	468	469	470	471	472	473	474	475	476	477	478	479	480	481	482	483	484	485	486	487	488	489	490	491	492	493	494	495	496	497	498	499	500	501	502	503	504	505	506	507	508	509	510	511	512	513	514	515	516	517	518	519	520	521	522	523	524	525	526	527	528	529	530	531	532	533	534	535	536	537	538	539	540	541	542	543	544	545	546	547	548	549	550	551	552	553	554	555	556	557	558	559	560	561	562	563	564	565	566	567	568	569	570	571	572	573	574	575	576	577	578	579	580	581	582	583	584	585	586	587	588	589	590	591	592	593	594	595	596	597	598	599	600	601	602	603	604	605	606	607	608	609	610	611	612	613	614	615	616	617	618	619	620	621	622	623	624	625	626	627	628	629	630	631	632	633	634	635	636	637	638	639	640	641	642	643	644	645	646	647	648	649	650	651	652	653	654	655	656	657	658	659	660	661	662	663	664	665	666	667	668	669	670	671	672	673	674	675	676	677	678	679	680	681	682	683	684	685	686	687	688	689	690	691	692	693	694	695	696	697	698	699	700	701	702	703	704	705	706	707	708	709	710	711	712	713	714	715	716	717	718	719	720	721	722	723	724	725	726	727	728	729	730	731	732	733	734	735	736	737	738	739	740	741	742	743	744	745	746	747	748	749	750	751	752	753	754	755	756	757	758	759	760	761	762	763	764	765	766	767	768	769	770	771	772	773	774	775	776	777	778	779	780	781	782	783	784	785	786	787	788	789	790	791	792	793	794	795	796	797	798	799	800	801	802	803	804	805	806	807	808	809	810	811	812	813	814	815	816	817	818	819	820	821	822	823	824	825	826	827	828	829	830	831	832	833	834	835	836	837	838	839	840	841	842	843	844	845	846	847	848	849	850	851	852	853	854	855	856	857	858	859	860	861	862	863	864	865	866	867	868	869	870	871	872	873	874	875	876	877	878	879	880	881	882	883	884	885	886	887	888	889	890	891	892	893	894	895	896	897	898	899	900	901	902	903	904	905	906	907	908	909	910	911	912	913	914	915	916	917	918	919	920	921	922	923	924	925	926	927	928	929	930	931	932	933	934	935	936	937	938	939	940	941	942	943	944	945	946	947	948	949	950	951	952	953	954	955	956	957	958	959	960	961	962	963	964	965	966	967	968	969	970	971	972	973	974	975	976	977	978	979	980	981	982	983	984	985	986	987	988	989	990	991	992	993	994	995	996	997	998	999	1000
---	---	---	---	---	---	---	---	---	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	------

مَدْخُلُ

تَسَابِيحُ

سَجْدَةٌ دَامِعَةٌ

دَقَّاتٌ عَلَى بَابِ الرُّغْبَةِ

فِي جَوْفِ اللَّيْلِ

التَّوْبَةُ هِيَ

أَوْ الْإِثْمُ

فَلْتَوَضَّعْ يَمِينًا أَوْ يَسَارًا

مَا أَنَا هَذَا أَوْ ذَلِكَ

إِنَّ هِيَ إِلَّا كَلِمَاتُ حَوَاسِّي الْخَمْسِ

وَتَسَابِيحُهَا

عَلَيْهَا تَغْفِرُ خَطَايَاهَا

1	2	3	4	5	6	7	8	9	10	11	12	13	14	15	16	17	18	19	20	21	22	23	24	25	26	27	28	29	30	31	32	33	34	35	36	37	38	39	40	41	42	43	44	45	46	47	48	49	50	51	52	53	54	55	56	57	58	59	60	61	62	63	64	65	66	67	68	69	70	71	72	73	74	75	76	77	78	79	80	81	82	83	84	85	86	87	88	89	90	91	92	93	94	95	96	97	98	99	100	101	102	103	104	105	106	107	108	109	110	111	112	113	114	115	116	117	118	119	120	121	122	123	124	125	126	127	128	129	130	131	132	133	134	135	136	137	138	139	140	141	142	143	144	145	146	147	148	149	150	151	152	153	154	155	156	157	158	159	160	161	162	163	164	165	166	167	168	169	170	171	172	173	174	175	176	177	178	179	180	181	182	183	184	185	186	187	188	189	190	191	192	193	194	195	196	197	198	199	200	201	202	203	204	205	206	207	208	209	210	211	212	213	214	215	216	217	218	219	220	221	222	223	224	225	226	227	228	229	230	231	232	233	234	235	236	237	238	239	240	241	242	243	244	245	246	247	248	249	250	251	252	253	254	255	256	257	258	259	260	261	262	263	264	265	266	267	268	269	270	271	272	273	274	275	276	277	278	279	280	281	282	283	284	285	286	287	288	289	290	291	292	293	294	295	296	297	298	299	300	301	302	303	304	305	306	307	308	309	310	311	312	313	314	315	316	317	318	319	320	321	322	323	324	325	326	327	328	329	330	331	332	333	334	335	336	337	338	339	340	341	342	343	344	345	346	347	348	349	350	351	352	353	354	355	356	357	358	359	360	361	362	363	364	365	366	367	368	369	370	371	372	373	374	375	376	377	378	379	380	381	382	383	384	385	386	387	388	389	390	391	392	393	394	395	396	397	398	399	400	401	402	403	404	405	406	407	408	409	410	411	412	413	414	415	416	417	418	419	420	421	422	423	424	425	426	427	428	429	430	431	432	433	434	435	436	437	438	439	440	441	442	443	444	445	446	447	448	449	450	451	452	453	454	455	456	457	458	459	460	461	462	463	464	465	466	467	468	469	470	471	472	473	474	475	476	477	478	479	480	481	482	483	484	485	486	487	488	489	490	491	492	493	494	495	496	497	498	499	500	501	502	503	504	505	506	507	508	509	510	511	512	513	514	515	516	517	518	519	520	521	522	523	524	525	526	527	528	529	530	531	532	533	534	535	536	537	538	539	540	541	542	543	544	545	546	547	548	549	550	551	552	553	554	555	556	557	558	559	560	561	562	563	564	565	566	567	568	569	570	571	572	573	574	575	576	577	578	579	580	581	582	583	584	585	586	587	588	589	590	591	592	593	594	595	596	597	598	599	600	601	602	603	604	605	606	607	608	609	610	611	612	613	614	615	616	617	618	619	620	621	622	623	624	625	626	627	628	629	630	631	632	633	634	635	636	637	638	639	640	641	642	643	644	645	646	647	648	649	650	651	652	653	654	655	656	657	658	659	660	661	662	663	664	665	666	667	668	669	670	671	672	673	674	675	676	677	678	679	680	681	682	683	684	685	686	687	688	689	690	691	692	693	694	695	696	697	698	699	700	701	702	703	704	705	706	707	708	709	710	711	712	713	714	715	716	717	718	719	720	721	722	723	724	725	726	727	728	729	730	731	732	733	734	735	736	737	738	739	740	741	742	743	744	745	746	747	748	749	750	751	752	753	754	755	756	757	758	759	760	761	762	763	764	765	766	767	768	769	770	771	772	773	774	775	776	777	778	779	780	781	782	783	784	785	786	787	788	789	790	791	792	793	794	795	796	797	798	799	800	801	802	803	804	805	806	807	808	809	810	811	812	813	814	815	816	817	818	819	820	821	822	823	824	825	826	827	828	829	830	831	832	833	834	835	836	837	838	839	840	841	842	843	844	845	846	847	848	849	850	851	852	853	854	855	856	857	858	859	860	861	862	863	864	865	866	867	868	869	870	871	872	873	874	875	876	877	878	879	880	881	882	883	884	885	886	887	888	889	890	891	892	893	894	895	896	897	898	899	900	901	902	903	904	905	906	907	908	909	910	911	912	913	914	915	916	917	918	919	920	921	922	923	924	925	926	927	928	929	930	931	932	933	934	935	936	937	938	939	940	941	942	943	944	945	946	947	948	949	950	951	952	953	954	955	956	957	958	959	960	961	962	963	964	965	966	967	968	969	970	971	972	973	974	975	976	977	978	979	980	981	982	983	984	985	986	987	988	989	990	991	992	993	994	995	996	997	998	999	1000	1001	1002	1003	1004	1005	1006	1007	1008	1009	1010	1011	1012	1013	1014	1015	1016	1017	1018	1019	1020	1021	1022	1023	1024	1025	1026	1027	1028	1029	1030	1031	1032	1033	1034	1035	1036	1037	1038	1039	1040	1041	1042	1043	1044	1045	1046	1047	1048	1049	1050	1051	1052	1053	1054	1055	1056	1057	1058	1059	1060	1061	1062	1063	1064	1065	1066	1067	1068	1069	1070	1071	1072	1073	1074	1075	1076	1077	1078	1079	1080	1081	1082	1083	1084	1085	1086	1087	1088	1089	1090	1091	1092	1093	1094	1095	1096	1097	1098	1099	1100	1101	1102	1103	1104	1105	1106	1107	1108	1109	1110	1111	1112	1113	1114	1115	1116	1117	1118	1119	1120	1121	1122	1123	1124	1125	1126	1127	1128	1129	1130	1131	1132	1133	1134	1135	1136	1137	1138	1139	1140	1141	1142	1143	1144	1145	1146	1147	1148	1149	1150	1151	1152	1153	1154	1155	1156	1157	1158	1159	1160	1161	1162	1163	1164	1165	1166	1167	1168	1169	1170	1171	1172	1173	1174	1175	1176	1177	1178	1179	1180	1181	1182	1183	1184	1185	1186	1187	1188	1189	1190	1191	1192	1193	1194	1195	1196	1197	1198	1199	1200	1201	1202	1203	1204	1205	1206	1207	1208	1209	1210	1211	1212	1213	1214	1215	1216	1217	1218	1219	1220	1221	1222	1223	1224	1225	1226	1227	1228	1229	1230	1231	1232	1233	1234	1235	1236	1237	1238	1239	1240	1241	1242	1243	1244	1245	1246	1247	1248	1249	1250	1251	1252	1253	1254	1255	1256	1257	1258	1259	1260	1261	1262	1263	1264	1265	1266	1267	1268	1269	1270	1271	1272	1273	1274	1275	1276	1277	1278	1279	1280	1281	1282	1283	1284	1285	1286	1287	1288	1289	1290	1291	1292	1293	1294	1295	1296	1297	1298	1299	1300	1301	1302	1303	1304	1305	1306	1307	1308	1309	1310	1311	1312	1313	1314	1315	1316	1317	1318	1319	1320	1321	1322	1323	1324	1325	1326	1327	1328	1329	1330	1331	1332	1333	1334	1335	1336	1337	1338	1339	1340	1341	1342	1343	1344	1345	1346	1347	1348	1349	1350	1351	1352	1353	1354	1355	1356	1357	1358	1359	1360	1361	1362	1363	1364	1365	1366	1367	1368	1369	1370	1371	1372	1373	1374	1375	1376	1377	1378	1379	1380	1381	1382	1383	1384	1385	1386	1387	1388	1389	1390	1391	1392	1393	1394	1395	1396	1397	1398	1399	1400	1401	1402	1403	1404	1405	1406	1407	1408	1409	1410	1411	1412	1413	1414	1415	1416	1417	1418	1419	1420	1421	1422	1423	1424	1425	1426	1427	1428	1429	1430	1431	1432	1433	1434	1435	1436	1437	1438	1439	1440	1441	1442	1443	1444	1445	1446	1447	1448	1449	1450	1451	1452	1453	1454	1455	1456	1457	1458	1459	1460	1461	1462	1463	1464	1465	1466	1467	1468	1469	1470	1471	1472	1473	1474	1475	1476	1477	1478	1479	1480	1481	1482	1483	1484	1485	1486	1487	1488	1489	1490	1491	1492	1493	1494	1495	149
---	---	---	---	---	---	---	---	---	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	-----

مُفَسِّحٌ أَوَّلُ

نَظْرَةٌ

مِنْ فَوْقِ هِضَابِكَ

تَسْقُطُ عَيْنَايَ

تُؤْهِ بَيْنَ تَفَاصِيلِكَ

إِلَّا أَنِّي لَأَزِلُّ أَرَاكَ

أ (١)

لِلْعِشْقِ لَوْنٌ

يَذُقُ قَلْبِي

وَمَعَ كُلِّ دَقَّةٍ

يَسْطَعُ ضَوْءُ

وَيَنْتَهِي

ضَوْءُ مَشُوبَ بِلَوْنِ

نَبْضَةٍ ضَوْءُ مُلَوَّنَةٍ

لِلدَّقَةِ قَلْبِي حُبًّا لَوْنٌ

لِلخَوْفِ لَوْنٌ

لِلتَّوَمِ لَوْنٌ

أَمَّا الْيَقِظَةُ

فَلَهَا فِي عَالَمِ الْأَلْوَانِ

مَا لَمْ يُرَ مِنْ قَبْلِ قَطْ

وَبَيْنَ كُلِّ ذَلِكَ

لَا تَغِيْبَنَّ
 حُضُورُ الْوَاثِكِ لَا يَخْفَى عَلَيَّ
 لَا تَرَى عَيْنَايَ سِوَاكَ
 أَتَخْلَى عَنِّي
 لِأَصِيرَ لَوْثًا
 يُدَاعِبُ الْوَاثِكِ
 تَتَمَدَّدِينَ
 أَتَمَدَّدُ
 أَحْلَقُ بِجَوَارِ خُطُوطِكَ
 أَدُورُ حَوْلَهَا
 أَتَخَلَّلُهَا فَتَخْتَلِطُ لِسِرِّهَا
 يَتَكَوَّنُ مِنَّا لَوْنٌ مِنْ عِشْقِي
 وَلَهْفَةٍ
 وَشَوْقٍ
 أَدُورُ مَرَارًا وَمَرَارًا
 أَكُونُ حَوْلَكَ دَوَائِرًا مُتَتَالِيَةً
 تُحِيطُ بِكَ
 تَحْمِيكَ

تَدْفِقِينَ لِلْأَعْلَى
تَرْتَقِينَ
أَتَبْعُكَ
أَقْضِي بَقَايَا أَلْوَارِ لَوْنِكَ
تَصْلِيحُ لَأَقْصَى الْمَدَى وَتَتَوَقَّفِينَ
تَنْظُرِينَ خَلْقَكَ
لَا تَجِدِينِي
تَقْلَقِينَ
أَعْلَمُ ذَلِكَ مِنْ لَوْنِ قَلْبِكَ
أَحْنُ إِلَيْكَ
أَفَرَّقِ أَلْوَانِي
أَلْطَلِقْ خَمْسَةَ خُطُوطٍ
حَوْلَكَ أَطُوفُ
أَكُونُ دَائِرَةً وَاسِعَةً الْقَطْرِ أَلْتِ مَرَكَزَهَا
تَدُورُ خُطُوطِي فَوْقَ بَعْضِهَا
لِلْيَمِينِ يَدُورُ بَعْضِي
وَالْآخَرُ لِلْيَسَارِ
لَوْنُ ابْتِسَامَتِكَ يَلُوحُ

أَظْلُ أَدُورُ
وَأَدُورُ
أَتْرُكُ بَعْضَ خَلَايَا أَلْوَانِي
لِلْمَرْكَزِ تَسِيرُ
أَقِفْ أَمَامَكَ لَا تَرَالَيْنَ تَبْتَسِمِينَ
وَفِي عَيْنَيْكَ نَظْرَةٌ
لَوْثَهَا عَشَقُ
أَحِيطُكَ بِدِرَاعِيْ
تَقْتَرِبُ شَفَتَايَ
تُغْمِضِينَ عَيْنَيْكَ
نَلْتَحِمُ
تَتَوَهَّجِينَ
أَتَوَهَّجُ
عَلَى شَفَتَيْكَ
وَعُطُوطِي الدَّائِرَةُ
وَفِي السَّمَاءِ
نَبْرُقُ
نَحْفَرُ لَنَا

فِي ثَوْبِ السَّمَاءِ
نَجْمًا لَامِعًا
لَا تَخْتَفِي أُنُورُهُ
وَلَا
أَلْوَانُهُ
أَلْوَانُنَا

أ (٢)

زَعِيمُ بِلَادِكَ

تَفْتَحِينَ عَيْنَيْكَ

تَتَمَطَّيْنَ

تَشْدِينَ أَطْرَافَكَ جَمِيعًا

أَمَامَ مِرْآتِكَ تَقْفَيْنَ

تَرَيْنَ فِيهَا صُورَةَ رَئِيسِ الدَّوْلَةِ الْمُعَلَّقَةَ عَلَى الْحَائِطِ الْمُقَابِلِ

تَذْهَبِينَ

تَجِدِينَ صُورَتِي

لَا تَفْهَمِينَ مَا الْأَمْرُ

تَبْحَثِينَ فِي خِزَانَتِكَ عَنِ الْعِلْمِ الْقَدِيمِ

تَجِدِينَهُ قَدْ تَبَدَّلَ

صُورَتِي بِوَسْطِهِ

تُهْرَوِلِينَ إِلَى التَّلَفَازِ

تَفْتَحِيْنَهُ
صُورَةً لِّلْإِقْلَابِ
تَقْلِيدِي رَئِيسَ لِّجُمْهُورِيَّتِكَ
مِنَ الْآنَ بِطَاقَتِكَ
جَوَازُ سَفَرِكَ
كُلُّ أَوْزَاقِكَ الرَّسْمِيَّةِ
سَيَبْدُلُ فِيهَا مَحَلُّ الْإِقَامَةِ
الْمَكَانُ: جُمْهُورِيَّةٌ قَلْبِي
تُقَلِّبِينَ الْقَنَاءَ فِي التَّلَفَازِ
تَجْدِينَ كَعَادَةَ نَشْرَاتِ أَخْبَارِ جُمْهُورِيَّتِي
الَّتِي أَنَا رَئِيسُهَا
تَبْدَأُ بِخَبَرِ عَنِّي
رَئِيسُ الْجُمْهُورِيَّةِ الْآنَ يَمْلَأُ كُلَّ الْأَرْكَانِ
جَرِيدَةُ أَمَامِكَ عَلَى مُقَدِّمَةِ صَفَحَاتِهَا خَبَرٌ بِلَوْنِ أَحْمَرَ
يُقَرِّرُ رَئِيسُ الْجُمْهُورِيَّةِ إِعْلَانُ الْغَزْوِ عَلَى قَلْبِكَ
صُورَ لِي
أَتَسَلَّقُ جَسَدَكَ
بِيَدِي عِلْمٌ عَلَيْهِ شِعَارُ جُمْهُورِيَّتِي

كُلَّمَا وَصَلْتُ لِمَدَى ظَنَنْتُ أَنَّهُ غَايَتِي
أَذُقُ عِلْمِي
إِلَى هُنَا تَمْتَدُّ أَرَاضِي
فِي الصَّبَاحِ
أَكْتَشِفُ حُدُودًا أَبْعَدَ
أَقَرُّ صُعُودَ الْمَضَابِ وَالْوَدَيَانِ
كَيْ أَصِلَ لِأَقْصَى مَا أَرَى
هَذِي حُدُودِي
أَظَلُّ هَكَذَا فِي الصُّورَةِ حَتَّى أَصِلَ إِلَى شَفَتِكَ
أَعْلَمُ عِنْدَهَا أَنَّهُ عَلَيَّ الْبَدْءُ مِنْ جَدِيدٍ
فِي كُلِّ مَرَّةٍ أَكْتَشِفُ الْمَزِيدَ
تَرْجِعِينَ لِلتَّلَافُازِ
تُبَدِّلِينَ الْقَنَاءَ
يُقَرِّرُ رَئِيسُ الْجُمْهُورِيَّةِ
أَنْ يَبْقَى فِي خَيَالِكَ الْيَوْمَ بِأَكْمَلِهِ
قَنَاءَ أُخْرَى
فِيْلَمْ وَثَائِقِي عَنِّي
عَنْ بَدْءِ ثَوْرَتِي

وَطُمُوحِي فِي أَنْ يَصِيرَ

لِي وَشَمِّ

عَلَى كُلِّ أَجْزَائِكَ

هُنَا صُورَتِي غَازِيَا

هُنَا صُورَتِي فَاتِحَا

هُنَا صُورَتِي مَنصُورَا

وَهُنَا مُتَوَجِّحَا مَزْهُوَا بِالنَّصْرِ

تَمْتَلِكِينَ بِي

تَبْتَسِمِينَ

عَنِ الصُّورِ لَا تَتَحَوَّلُ عَيْنَاكَ

تَتَسَاءَلِينَ

هَلْ كَانَ لِلثَّوْرَةِ مِنْ بُدَا؟

تَنْظُرِينَ مِنْ نَافِذَتِكَ

تَجْدِينَنِي أَسِيرٌ فِي مَوَكِبِي الرَّئَاسِيَّ

كَمَلِّكَ لِلْعَالَمِ أَبْدُو

ثُمَّ لِيْنَ رَأْسَكَ وَتَبْتَسِمِينَ

بِيَدِي زُهَّورٌ

حَمْرَاءُ

زُرْقَاءُ

صَفَرَاءُ
مِنْ كُلِّ الْأَلْوَانِ
لَاغْنِي قَرَزْتُ
أَنْ تُصِيرَ كُلُّ أَلْوَانِ الزُّهُورِ فِي جُمْهُورِيَّتِي
عَلَامَةً لِلْحُبِّ
وَحَدَهُ
تَنْزِلِينَ إِلَيَّ
تَرَاكِ عَيْنَايَ
أَغِيبُ فِيكَ
وَأُصْدِرُ قَرَارًا جُمْهُورِيًّا
بِالتَّحِي
عَنْ مَنَصِبِي
بَعْدَمَا حَقَّقْتُ ثَوْرَتِي
كُلَّ أَهْدَافِهَا
حِينَمَا فَتِي رَئِيسُ الْبِلَادِ
فِي شَعْبِهِ

1	2	3	4	5	6	7	8	9	10	11	12	13	14	15	16	17	18	19	20	21	22	23	24	25	26	27	28	29	30	31	32	33	34	35	36	37	38	39	40	41	42	43	44	45	46	47	48	49	50	51	52	53	54	55	56	57	58	59	60	61	62	63	64	65	66	67	68	69	70	71	72	73	74	75	76	77	78	79	80	81	82	83	84	85	86	87	88	89	90	91	92	93	94	95	96	97	98	99	100	101	102	103	104	105	106	107	108	109	110	111	112	113	114	115	116	117	118	119	120	121	122	123	124	125	126	127	128	129	130	131	132	133	134	135	136	137	138	139	140	141	142	143	144	145	146	147	148	149	150	151	152	153	154	155	156	157	158	159	160	161	162	163	164	165	166	167	168	169	170	171	172	173	174	175	176	177	178	179	180	181	182	183	184	185	186	187	188	189	190	191	192	193	194	195	196	197	198	199	200	201	202	203	204	205	206	207	208	209	210	211	212	213	214	215	216	217	218	219	220	221	222	223	224	225	226	227	228	229	230	231	232	233	234	235	236	237	238	239	240	241	242	243	244	245	246	247	248	249	250	251	252	253	254	255	256	257	258	259	260	261	262	263	264	265	266	267	268	269	270	271	272	273	274	275	276	277	278	279	280	281	282	283	284	285	286	287	288	289	290	291	292	293	294	295	296	297	298	299	300	301	302	303	304	305	306	307	308	309	310	311	312	313	314	315	316	317	318	319	320	321	322	323	324	325	326	327	328	329	330	331	332	333	334	335	336	337	338	339	340	341	342	343	344	345	346	347	348	349	350	351	352	353	354	355	356	357	358	359	360	361	362	363	364	365	366	367	368	369	370	371	372	373	374	375	376	377	378	379	380	381	382	383	384	385	386	387	388	389	390	391	392	393	394	395	396	397	398	399	400	401	402	403	404	405	406	407	408	409	410	411	412	413	414	415	416	417	418	419	420	421	422	423	424	425	426	427	428	429	430	431	432	433	434	435	436	437	438	439	440	441	442	443	444	445	446	447	448	449	450	451	452	453	454	455	456	457	458	459	460	461	462	463	464	465	466	467	468	469	470	471	472	473	474	475	476	477	478	479	480	481	482	483	484	485	486	487	488	489	490	491	492	493	494	495	496	497	498	499	500	501	502	503	504	505	506	507	508	509	510	511	512	513	514	515	516	517	518	519	520	521	522	523	524	525	526	527	528	529	530	531	532	533	534	535	536	537	538	539	540	541	542	543	544	545	546	547	548	549	550	551	552	553	554	555	556	557	558	559	560	561	562	563	564	565	566	567	568	569	570	571	572	573	574	575	576	577	578	579	580	581	582	583	584	585	586	587	588	589	590	591	592	593	594	595	596	597	598	599	600	601	602	603	604	605	606	607	608	609	610	611	612	613	614	615	616	617	618	619	620	621	622	623	624	625	626	627	628	629	630	631	632	633	634	635	636	637	638	639	640	641	642	643	644	645	646	647	648	649	650	651	652	653	654	655	656	657	658	659	660	661	662	663	664	665	666	667	668	669	670	671	672	673	674	675	676	677	678	679	680	681	682	683	684	685	686	687	688	689	690	691	692	693	694	695	696	697	698	699	700	701	702	703	704	705	706	707	708	709	710	711	712	713	714	715	716	717	718	719	720	721	722	723	724	725	726	727	728	729	730	731	732	733	734	735	736	737	738	739	740	741	742	743	744	745	746	747	748	749	750	751	752	753	754	755	756	757	758	759	760	761	762	763	764	765	766	767	768	769	770	771	772	773	774	775	776	777	778	779	780	781	782	783	784	785	786	787	788	789	790	791	792	793	794	795	796	797	798	799	800	801	802	803	804	805	806	807	808	809	810	811	812	813	814	815	816	817	818	819	820	821	822	823	824	825	826	827	828	829	830	831	832	833	834	835	836	837	838	839	840	841	842	843	844	845	846	847	848	849	850	851	852	853	854	855	856	857	858	859	860	861	862	863	864	865	866	867	868	869	870	871	872	873	874	875	876	877	878	879	880	881	882	883	884	885	886	887	888	889	890	891	892	893	894	895	896	897	898	899	900	901	902	903	904	905	906	907	908	909	910	911	912	913	914	915	916	917	918	919	920	921	922	923	924	925	926	927	928	929	930	931	932	933	934	935	936	937	938	939	940	941	942	943	944	945	946	947	948	949	950	951	952	953	954	955	956	957	958	959	960	961	962	963	964	965	966	967	968	969	970	971	972	973	974	975	976	977	978	979	980	981	982	983	984	985	986	987	988	989	990	991	992	993	994	995	996	997	998	999	1000	1001	1002	1003	1004	1005	1006	1007	1008	1009	1010	1011	1012	1013	1014	1015	1016	1017	1018	1019	1020	1021	1022	1023	1024	1025	1026	1027	1028	1029	1030	1031	1032	1033	1034	1035	1036	1037	1038	1039	1040	1041	1042	1043	1044	1045	1046	1047	1048	1049	1050	1051	1052	1053	1054	1055	1056	1057	1058	1059	1060	1061	1062	1063	1064	1065	1066	1067	1068	1069	1070	1071	1072	1073	1074	1075	1076	1077	1078	1079	1080	1081	1082	1083	1084	1085	1086	1087	1088	1089	1090	1091	1092	1093	1094	1095	1096	1097	1098	1099	1100	1101	1102	1103	1104	1105	1106	1107	1108	1109	1110	1111	1112	1113	1114	1115	1116	1117	1118	1119	1120	1121	1122	1123	1124	1125	1126	1127	1128	1129	1130	1131	1132	1133	1134	1135	1136	1137	1138	1139	1140	1141	1142	1143	1144	1145	1146	1147	1148	1149	1150	1151	1152	1153	1154	1155	1156	1157	1158	1159	1160	1161	1162	1163	1164	1165	1166	1167	1168	1169	1170	1171	1172	1173	1174	1175	1176	1177	1178	1179	1180	1181	1182	1183	1184	1185	1186	1187	1188	1189	1190	1191	1192	1193	1194	1195	1196	1197	1198	1199	1200	1201	1202	1203	1204	1205	1206	1207	1208	1209	1210	1211	1212	1213	1214	1215	1216	1217	1218	1219	1220	1221	1222	1223	1224	1225	1226	1227	1228	1229	1230	1231	1232	1233	1234	1235	1236	1237	1238	1239	1240	1241	1242	1243	1244	1245	1246	1247	1248	1249	1250	1251	1252	1253	1254	1255	1256	1257	1258	1259	1260	1261	1262	1263	1264	1265	1266	1267	1268	1269	1270	1271	1272	1273	1274	1275	1276	1277	1278	1279	1280	1281	1282	1283	1284	1285	1286	1287	1288	1289	1290	1291	1292	1293	1294	1295	1296	1297	1298	1299	1300	1301	1302	1303	1304	1305	1306	1307	1308	1309	1310	1311	1312	1313	1314	1315	1316	1317	1318	1319	1320	1321	1322	1323	1324	1325	1326	1327	1328	1329	1330	1331	1332	1333	1334	1335	1336	1337	1338	1339	1340	1341	1342	1343	1344	1345	1346	1347	1348	1349	1350	1351	1352	1353	1354	1355	1356	1357	1358	1359	1360	1361	1362	1363	1364	1365	1366	1367	1368	1369	1370	1371	1372	1373	1374	1375	1376	1377	1378	1379	1380	1381	1382	1383	1384	1385	1386	1387	1388	1389	1390	1391	1392	1393	1394	1395	1396	1397	1398	1399	1400	1401	1402	1403	1404	1405	1406	1407	1408	1409	1410	1411	1412	1413	1414	1415	1416	1417	1418	1419	1420	1421	1422	1423	1424	1425	1426	1427	1428	1429	1430	1431	1432	1433	1434	1435	1436	1437	1438	1439	1440	1441	1442	1443	1444	1445	1446	1447	1448	1449	1450	1451	1452	1453	1454	1455	1456	1457	1458	1459	1460	1461	1462	1463	1464	1465	1466	1467	1468	1469	1470	1471	1472	1473	1474	1475	1476	1477	1478	1479	1480	1481	1482	1483	1484	1485	1486	1487	1488	1489	1490	1491	149
---	---	---	---	---	---	---	---	---	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	-----

أ (٣)

السُّقُوطُ

فُرَاقٌ

بُعْدٌ

مَكَانٌ آخَرَ تَرَاهُ عَيْنِي

أُنَاسٌ غَيْرُكَ أَمَامَ نَظَائِرِي

وَحَلْفَهَا

وَحَلْفَ كُلِّ الْحُجُبِ

لَا تَزَالُ صُورُثُكَ تَمْلَأُنِي

لَا تَزَالُ عَيْنَايَ تَرَاكَ فِي كُلِّ الْمَوْجُودَاتِ

وَجْهُكَ يَسْكُنُ كُلَّ وَجْهِ الْفَتَيَاتِ

عَلَى الْمَجَلَّاتِ

عَلَى الشَّاشَاتِ

عَلَى وَجْهِ رَاهِبَةٍ قِبْطِيَّةٍ

زَاهِدَةٍ مُسْلِمَةٍ

حَتَّى وَجَدْتُكَ أَخِيرًا

أَقْصِدُ وَجْدَهُ

هُوَ لَيْسَ أَنتَ

غَيْرَ اللَّهِ

يَحْمِلُ نَفْسَ النَّظَرَةِ الصَّافِيَةِ

الْبَاسِمَةِ

نَفْسُ تَقْطِيبِ الْحَاجِبِينَ وَقْتُ الْقَضْبِ

نَفْسُ الْأَطْرَاقَةِ

نَفْسُ الْمَلَامِحِ

نُسْخَةُ مِنْكَ هُوَ

صَدِيقَانِ صَرْتَا

أَنْظُرُ لَهُ وَلَا أَرَاهُ

فِي وَجْهِهِ هُوَ

أَرَاكَ أَنتَ

أَرَى مَلَامِحَكَ يَوْمَ رَكَعْتُ عِنْدَ قَدَمَيْكَ

مُغْلِنَا حُبِّي لَكَ

صُورَةٌ تَرْفُقُ الدُّمُوعَ فِي عَيْنَيْكَ

تَرْفَعِينِي إِلَيْكَ

تَنْظُرِينَ إِلَيَّ طَوِيلًا
تَتَقَلَّبِينَ عَلَيَّ حَيَاتِكَ
تَشْدِينِي لِأَمْكُثَ بَيْنَ ذِرَاعَيْكَ
تَذَمِّعِينَ
تُقْبِلِينَني
أَلَسَى عَالَمِي
أَفِيقُ لِأَجَدَهُ يَسْأَلُنِي مَاذَا بَلَكَ؟
لَا شَيْءَ أَجِيبُ
يَذْهَبُ كَثِيرًا مِنْ نَظَرَاتِي لَهُ
أَدْعُوهُ لِلْعِشَاءِ بِغُرْفَتِي
أَتَذْكُرُكَ
أَتَيْتُ مُتَأَخِّرَةً ثَلَاثَ دَقَائِقَ
أَعْدَدْتُ كُلَّ شَيْءٍ لِلْقَائِكَ
أَضَعُ أَكْوَابَ الشَّرَابِ
أُخَفِّفُ الإِضَاءَةَ
أَضَعُ عَلَى أَقْرَبِ مِنْضَدَةٍ لِسِرِيرِي
صُورَتَكَ
حَتَّى إِذَا سَأَلْتَنِي

تَعْلَمِينَ أَنِّي فِي قَلْقِي الْمُسْتَمِرِّ أَتْنَاءَ نَوْمِي
أَحِبُّ أَنْ تَكُونَ صُورَتِكَ دَوِّمَا أَمَامِي

.....

بِحَافِظَتِي صُورَةَ لَهُ

.....

أَعْطُرُ الْأَجْوَاءَ

تَأْتِينِي

يَتَغَلَّبُ حُضُورُكَ عَلَى كُلِّ شَيْءٍ

تُمَثِّلِينَ حَوَاسِي بَعْطَرِكَ

أَتَذَكِّرُ صُورَةَ تَذَوُّقِ شَفَتِي طَعْمَ شَفَتَيْكَ

أَغِيبُ عَنِ الْكَوْنِ

رَحْلَةَ إِسْرَاءَ لِمَقَامَاتِ الْعَارِفِينَ

أَوْ مِنْ وَقْتِهَا أَنَّهُ لَا أَنَا إِلَّا أَنَا

يَتَعَجَّبُ هُوَ مِنْ نَظَرَتِي

لَا يَدْرُ مَاذَا بِي

يَتَمَلَّكُنِي شُعُورٌ مَا

لِمَاذَا أَمْسَكَ يَدَيْهِ هَكَذَا؟

لِمَاذَا أُنْظَرُ لَهُ هَكَذَا؟

يَتَسَاءَلُ
هَلْ سَطِيلُ عَنَاقِ التَّرْحِيبِ لَأَكْثَرَ مِنْ ذَلِكَ؟
لَمَّاذَا أَرِيدُ مِنْ ضَمِّي لَهُ؟
هَلْ تَتَحَسَّسُ يَدِي ظَهْرَهُ؟
شَعْرَهُ؟
أَتَحَاوِلُ يَدِي أَنْ تَلْمِسَهُ قَلِيلًا قَلِيلًا؟
هَلْ قَبْلَتُهُ؟

.....

.....

تَغِيبُ عَنِّي كُلَّ الصُّورِ
صُورَةً وَاحِدَةً أَتَذْكُرُهَا
يَدْفَعُنِي بِشِدَّةٍ
يَتَفَوَّهَ غَاضِبًا
يَلْكُمُنِي
أَسْقُطُ
يَخْرُجُ
يَغْلِقُ خَلْفَهُ الْبَابَ بِشِدَّةٍ
وَحَدِي الْآنَ
مُجَدِّدًا
أَضَعْتُكَ مِنْ يَدِي

1	2	3	4	5	6	7	8	9	10	11	12	13	14	15	16	17	18	19	20	21	22	23	24	25	26	27	28	29	30	31	32	33	34	35	36	37	38	39	40	41	42	43	44	45	46	47	48	49	50	51	52	53	54	55	56	57	58	59	60	61	62	63	64	65	66	67	68	69	70	71	72	73	74	75	76	77	78	79	80	81	82	83	84	85	86	87	88	89	90	91	92	93	94	95	96	97	98	99	100	101	102	103	104	105	106	107	108	109	110	111	112	113	114	115	116	117	118	119	120	121	122	123	124	125	126	127	128	129	130	131	132	133	134	135	136	137	138	139	140	141	142	143	144	145	146	147	148	149	150	151	152	153	154	155	156	157	158	159	160	161	162	163	164	165	166	167	168	169	170	171	172	173	174	175	176	177	178	179	180	181	182	183	184	185	186	187	188	189	190	191	192	193	194	195	196	197	198	199	200	201	202	203	204	205	206	207	208	209	210	211	212	213	214	215	216	217	218	219	220	221	222	223	224	225	226	227	228	229	230	231	232	233	234	235	236	237	238	239	240	241	242	243	244	245	246	247	248	249	250	251	252	253	254	255	256	257	258	259	260	261	262	263	264	265	266	267	268	269	270	271	272	273	274	275	276	277	278	279	280	281	282	283	284	285	286	287	288	289	290	291	292	293	294	295	296	297	298	299	300	301	302	303	304	305	306	307	308	309	310	311	312	313	314	315	316	317	318	319	320	321	322	323	324	325	326	327	328	329	330	331	332	333	334	335	336	337	338	339	340	341	342	343	344	345	346	347	348	349	350	351	352	353	354	355	356	357	358	359	360	361	362	363	364	365	366	367	368	369	370	371	372	373	374	375	376	377	378	379	380	381	382	383	384	385	386	387	388	389	390	391	392	393	394	395	396	397	398	399	400	401	402	403	404	405	406	407	408	409	410	411	412	413	414	415	416	417	418	419	420	421	422	423	424	425	426	427	428	429	430	431	432	433	434	435	436	437	438	439	440	441	442	443	444	445	446	447	448	449	450	451	452	453	454	455	456	457	458	459	460	461	462	463	464	465	466	467	468	469	470	471	472	473	474	475	476	477	478	479	480	481	482	483	484	485	486	487	488	489	490	491	492	493	494	495	496	497	498	499	500	501	502	503	504	505	506	507	508	509	510	511	512	513	514	515	516	517	518	519	520	521	522	523	524	525	526	527	528	529	530	531	532	533	534	535	536	537	538	539	540	541	542	543	544	545	546	547	548	549	550	551	552	553	554	555	556	557	558	559	560	561	562	563	564	565	566	567	568	569	570	571	572	573	574	575	576	577	578	579	580	581	582	583	584	585	586	587	588	589	590	591	592	593	594	595	596	597	598	599	600	601	602	603	604	605	606	607	608	609	610	611	612	613	614	615	616	617	618	619	620	621	622	623	624	625	626	627	628	629	630	631	632	633	634	635	636	637	638	639	640	641	642	643	644	645	646	647	648	649	650	651	652	653	654	655	656	657	658	659	660	661	662	663	664	665	666	667	668	669	670	671	672	673	674	675	676	677	678	679	680	681	682	683	684	685	686	687	688	689	690	691	692	693	694	695	696	697	698	699	700	701	702	703	704	705	706	707	708	709	710	711	712	713	714	715	716	717	718	719	720	721	722	723	724	725	726	727	728	729	730	731	732	733	734	735	736	737	738	739	740	741	742	743	744	745	746	747	748	749	750	751	752	753	754	755	756	757	758	759	760	761	762	763	764	765	766	767	768	769	770	771	772	773	774	775	776	777	778	779	780	781	782	783	784	785	786	787	788	789	790	791	792	793	794	795	796	797	798	799	800	801	802	803	804	805	806	807	808	809	810	811	812	813	814	815	816	817	818	819	820	821	822	823	824	825	826	827	828	829	830	831	832	833	834	835	836	837	838	839	840	841	842	843	844	845	846	847	848	849	850	851	852	853	854	855	856	857	858	859	860	861	862	863	864	865	866	867	868	869	870	871	872	873	874	875	876	877	878	879	880	881	882	883	884	885	886	887	888	889	890	891	892	893	894	895	896	897	898	899	900	901	902	903	904	905	906	907	908	909	910	911	912	913	914	915	916	917	918	919	920	921	922	923	924	925	926	927	928	929	930	931	932	933	934	935	936	937	938	939	940	941	942	943	944	945	946	947	948	949	950	951	952	953	954	955	956	957	958	959	960	961	962	963	964	965	966	967	968	969	970	971	972	973	974	975	976	977	978	979	980	981	982	983	984	985	986	987	988	989	990	991	992	993	994	995	996	997	998	999	1000	1001	1002	1003	1004	1005	1006	1007	1008	1009	1010	1011	1012	1013	1014	1015	1016	1017	1018	1019	1020	1021	1022	1023	1024	1025	1026	1027	1028	1029	1030	1031	1032	1033	1034	1035	1036	1037	1038	1039	1040	1041	1042	1043	1044	1045	1046	1047	1048	1049	1050	1051	1052	1053	1054	1055	1056	1057	1058	1059	1060	1061	1062	1063	1064	1065	1066	1067	1068	1069	1070	1071	1072	1073	1074	1075	1076	1077	1078	1079	1080	1081	1082	1083	1084	1085	1086	1087	1088	1089	1090	1091	1092	1093	1094	1095	1096	1097	1098	1099	1100	1101	1102	1103	1104	1105	1106	1107	1108	1109	1110	1111	1112	1113	1114	1115	1116	1117	1118	1119	1120	1121	1122	1123	1124	1125	1126	1127	1128	1129	1130	1131	1132	1133	1134	1135	1136	1137	1138	1139	1140	1141	1142	1143	1144	1145	1146	1147	1148	1149	1150	1151	1152	1153	1154	1155	1156	1157	1158	1159	1160	1161	1162	1163	1164	1165	1166	1167	1168	1169	1170	1171	1172	1173	1174	1175	1176	1177	1178	1179	1180	1181	1182	1183	1184	1185	1186	1187	1188	1189	1190	1191	1192	1193	1194	1195	1196	1197	1198	1199	1200	1201	1202	1203	1204	1205	1206	1207	1208	1209	1210	1211	1212	1213	1214	1215	1216	1217	1218	1219	1220	1221	1222	1223	1224	1225	1226	1227	1228	1229	1230	1231	1232	1233	1234	1235	1236	1237	1238	1239	1240	1241	1242	1243	1244	1245	1246	1247	1248	1249	1250	1251	1252	1253	1254	1255	1256	1257	1258	1259	1260	1261	1262	1263	1264	1265	1266	1267	1268	1269	1270	1271	1272	1273	1274	1275	1276	1277	1278	1279	1280	1281	1282	1283	1284	1285	1286	1287	1288	1289	1290	1291	1292	1293	1294	1295	1296	1297	1298	1299	1300	1301	1302	1303	1304	1305	1306	1307	1308	1309	1310	1311	1312	1313	1314	1315	1316	1317	1318	1319	1320	1321	1322	1323	1324	1325	1326	1327	1328	1329	1330	1331	1332	1333	1334	1335	1336	1337	1338	1339	1340	1341	1342	1343	1344	1345	1346	1347	1348	1349	1350	1351	1352	1353	1354	1355	1356	1357	1358	1359	1360	1361	1362	1363	1364	1365	1366	1367	1368	1369	1370	1371	1372	1373	1374	1375	1376	1377	1378	1379	1380	1381	1382	1383	1384	1385	1386	1387	1388	1389	1390	1391	1392	1393	1394	1395	1396	1397	1398	1399	1400	1401	1402	1403	1404	1405	1406	1407	1408	1409	1410	1411	1412	1413	1414	1415	1416	1417	1418	1419	1420	1421	1422	1423	1424	1425	1426	1427	1428	1429	1430	1431	1432	1433	1434	1435	1436	1437	1438	1439	1440	1441	1442	1443	1444	1445	1446	1447	1448	1449	1450	1451	1452	1453	1454	1455	1456	1457	1458	1459	1460	1461	1462	1463	1464	1465	1466	1467	1468	1469	1470	1471	1472	1473	1474	1475	1476	1477	1478	1479	1480	1481	1482	1483	1484	1485	1486	1487	1488	1489	1490	1491	149
---	---	---	---	---	---	---	---	---	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	-----

أ (٤)
أَلْوَانُ

ثَوْرَةٌ

حِينَما يَثُورُ الْأَحْمَرُ
لَا لَسْتُ عَلَامةً لِلْحُبِّ
وَلَا رَمْزًا لَهُ
لَا يُشَبِّهُنِي لَوْنُ الْحَدِّ
إِذَا خَجَلُ
وَلَوْنُ الْعَيْنِ
إِذَا بَكَتْ
الْقَلْبُ لَيْسَ بِأَحْمَرَ
وَالْعَيْنُ لَيْسَ بِأَحْمَرَ
وَالْمَمْنُوعُ فِي بَلَدِي قَدْ يَأْخُذُ لَوْنًا آخَرَ
أَنَا أَحْمَرُ غَارٍ

لَا أَخْجَلُ مِنْ ذَلِكَ
فَلَا تَكْسُونِي رِذَاءَاتِكُمْ

عَبَثٌ

يَأْتِينِي فِي نَوْمِي الْأَخْضَرُ
أَرَاهُ يَدُورُ حَوْلَ الْجَذَبِ
وَيَرْقُصُ فَوْقَ بَقَايَا الْهَدْمِ
يَطُوفُ بِحَانَاتِ السُّكْرِ
وَيَبْعُدُ عَنْ أَيِّ تَصَوُّفٍ
يَبْكِي وَيَضْحَكُ فِي نَفْسِ الْآنِ
يَتَحَوَّلُ لِجُدُورِ نَبَاتٍ
وَيَتْرُكُ قِمَّتَهُ
أَنَا لَوْنُ رَمَالٍ
يَقُولُ الْأَخْضَرُ
يُطْلِقُ نَارًا عَلَى حَيَوَانِ ضَالٍ
فَيَسْقُطُ دَمُهُ بِاللَّوْنِ الْأَخْضَرِ
يَضْحَكُ وَيَقْهَقُ

فَأَفِيقُ مِنْ نَوْمِي
مَقْرُوعًا

جُنُونٌ

مُسْتَلْقِيًا عَلَى ظَهْرِي فِي غُرْفَةِ نَوْمِي
أَنْظُرُ لِلسَّقْفِ بِشُرُودٍ
يَتَرَاءَى لِي فِي سَقْفِي الْأَبْيَضِ
نُقْطَةٌ سَوْدَاءٌ
تَتَزَايِدُ وَتَتَسَّعُ
تَظَلُّ لِتُغَطِّيَ نِصْفَ السَّقْفِ
يُكْتَبُ بِاللَّوْنِ الْأَبْيَضِ فِي الْبُقْعَةِ السَّوْدَاءِ
أَنَا أَبْيَضُ
وَبِالْأَسْوَدِ فِي الْأَبْيَضِ أَنَا أَسْوَدُ
تَتَحَرَّكُ الْخُطُوطُ سَرِيعًا
أَسْوَدُ فِي الْأَبْيَضِ وَالْعَكْسُ صَحِيحُ

يَلْهُوَانِ وَيَرْسُمَانِ
وَجْهًا ضَاحِكًا وَجْهًا عَابِسًا
أَشْكَالًا كَرْتُونِيَّةً
يَظْلَلْنَ هَكَذَا حَتَّى يَتَشَاجِرَا
يَتَلَطَّحُ السَّقْفُ
بِلَا النِّظَامِ
يَمْتَرِجَانِ
يُصْبِحَانِ كَمَوْجٍ عَلَى سَطْحِ السَّقْفِ
أَظْلُ أَرَأَيْتَ ذَلِكَ كُلُّهُ
حَتَّى يَنْتَهِيَ الْعَرْضُ بِكَلِمَةِ
الْنِّهَايَةِ
وَتَحْتَهَا بِقَلِيلٍ يُكْتَبُ
مَا نَحْنُ بِأَسْوَدَ أَوْ أَيْبَضَ

نُورِجِسِيَّةٌ

أَنَا الْأَزْرَقُ
أَنَا الْأَعْظَمُ
سَتَرُونِي فِي كُلِّ مَكَانٍ

سَأَجْعَلُ لَوْنِي أَمَامَ أَعْيُنِكُمْ لأكْبَرِ مِسَاحَةٍ مُمَكِّنَةٍ
فِي كُلِّ مَكَانٍ سَأُكُونُ
لَأَنْتِي

سَأَسْتَبْدِلُ لَوْنِي بِـ

لَوْنِ السَّمَاءِ

بِلَوْنِ الْبَحْرِ

بِلَوْنِ النَّارِ عِنْدَ مَنَبَتِهَا

سَأَجْعَلُنِي

أَحَدَ أَلْوَانِ الطِّيفِ

وَسَأَدْخُلُ فِي تَكْوِينَاتِكُمْ

حَتَّى يَكُونَ لَوْنِي

هُوَ لَوْنُ عَيُونِ بَعْضِكُمْ

وَ

بِذُھُولِ أَغْلَقَتِ الشَّاشَةَ

أَتَسَاءَلُ عَنْ مَعْنَى الْأَزْرَقِ

.....

.

.

.

.

.

.

.

.

.

.

.

.

.

.

.

.

.

مُفْتَحُ ثَانٍ

هَمْزَةٌ

تُعَانِقِينِي

صَرِيرُ يَدَيْكَ

يُدَلِّلُ أذُنِي

وَيُعَلِّمُنِي اللُّغَةَ

ب (١)

الصَّوْتُ أَنْتِ

يُنَادِينِي
صَوْتُ صَمْتِكَ
يَعْرِفُنِي هُوَ
يَخْصُنِي بِاسْمِي
يُجِيبُهُ صَوْتُ سَمْعِي
يُقَابِلُهُ خَارِجُ أُذُنِي
فِي الثُّلُثِ الْأَوَّلِ مِنَ الطَّرِيقِ
الَّذِي يَبْدَأُ مِنْ صَمْتِ شِفَاهِكَ
أَجَابَهُ صَوْتُ سَمْعِي مُخْتَلِطًا
بَصَوْتِ خَافَتِ مِنْ شَوْقِي
تَزَايَدَ عُبْرَ ذُبْدُبَاتِ الطَّرِيقِ
لَا يَزَالُ يَزِيدُ
يَتَحَوَّلُ لِصَرَاحِ جَارِفٍ

حَتَّى يَلَامِسَ صَوْتُ صَمْتِكَ

يَتَدَفَّعُ بِهِ فِي قُوَّةٍ

يَتَزَوِّي بِهِ فِي دُكْنٍ بَعِيدٍ

يَلْهَثُ

تَتَهَدَّجُ أَلْفَاسُهُ

يَتَحَرَّشُ بِصَمْتِكَ

يَتَخَلَّلُهُ وَلَا يَتْرُكُهُ

تَسْتَسْلِمُ كُلُّ حَوَاسٍ صَمْتِكَ

تَسْتَمْتَعُ

يَظْلَانِ هَكَذَا حَتَّى يَغِيَا

تَحْتَ تَأْثِيرِ صَوْتٍ آخَرَ أَعْلَى

حِينَ تَحَوَّلَ وَجْهَكَ نَاحِيَتِي

عَلَا صَوْتُ النَّظَرَةِ فَوْقَ بَاقِي الْأَصْوَاتِ

عَذْبٌ هُوَ صَوْتُ عَيْنَيْكَ

عَذْبٌ هُوَ صَوْتُ لَوْنِهِمَا

قَابَلَتْهُ أَلْغَامُ نَظَرَتِي

رَقَصَا مَعًا

كَمْ شَهِدَ مَلْحَمِيَّ فِي مَسْرَحِيَّةٍ

يُونَانِيَّةٌ قَدِيمَةٌ
يَجُوبَانِ كُلَّ طُرُقَاتِ الْفَرَاغِ الْوَاصِلِ بَيْنَهُمَا
يَذُقَانِ عَلَى أَبْوَابِ دِيَارِهِ
يُعْطِيَانِ كُلُّ بَابٍ مَا نَطْلُبُهُ مِنَ الْخَانِ
فَلَا نَتَوَقَّفُ عَنِ الرِّقْصِ
يُعَاوِدُ شَوْقِي مُمَارَسَةَ الْعَشْقِ مَعَ صَمْتِكَ
عَلَى فِرَاشٍ مِنْ شَهَقَاتٍ وَزَفَرَاتٍ
تَرْقِصُ عُيُونُنَا
مِنْ نَهْرِ صَوْتِ عَشْقِكَ
تَنْهَلُ تَفَاصِيلِي
تَرْتَوِي وَلَا تَشْبَعُ
ظَامِي إِلَى الْأَبَدِ إِلَيْكَ
تُعَيِّنَا الْأَصْوَاتُ عَنِ الْعَالَمِ
بَعِيدَانِ نَحْنُ فِي الْمَكَانِ
قَرِيْبَانِ رَغْمَ الْخُدُودِ
تُدَاعِبُ أَصْوَاتِي أَصْوَاتَكَ
لَا نَهْدَأُ
لِلرَّغْبَةِ الْمُسْتَعْرَةِ فِي نُفُوسِنَا
صَوْتٌ

كَجَرَسِ كَنِيْسَةٍ
يَرْتَقِي بِنَا صَوْتُهُ
لَتَصِلَ لِقُدْسِيَةِ الْعِبَادَاتِ
تُحَلِّقُ بِهَا نُفُوسُنَا
وَلَتُخَجِّلِكَ صَوْتُ كَاتِبُضِ
يَنْطِقُ بِلَا صَوْتِ
أَعَشَقُ رَبِّيْنَهُ
تَرْتَفِعُ جَمِيعُ الْأَصْوَاتِ
مُوسِيقَى إِلَهِيَّةِ
قَلِيلٌ مَنْ يُذَرِّكُ حَقِيقَةَ الْكَوْنِ
لَا تَسَامِكُ صَوْتُ
لِعَبْرِكَ صَوْتُ
لِحُضُورِكَ صَوْتُ
لِلشَّهْوَةِ صَوْتُ
وَلِلصَّوْتِ صَوْتُ
وَلِصَوْتِي أَنَا صَرَاحٌ
وَأَنَا صَوْتُ
وَأَلْتِ
كُلُّ الصَّوْتِ

ب (٢)

حَلَّاجُ

لَمْ أَتَعَلَّمْ فِي مَدْرَسَتِي
سِوَى لُغَةِ الْأَرْقَامِ
وَالْأَعْدَادِ
وَلِفَقْرِي فِي لُغَةِ الْحُبِّ
أَقَرُّ عَشَقَكَ بِالْأَرْقَامِ
فِي خُلُوتِي
أُبَعِثُ أَرْقَامَكَ
تَمْلُؤُنِي التَّشْوَةَ
" مَمْنُوعُ الْإِزْعَاجِ " عَلَى بَابِ الْغُرْفَةِ
تَشَابَكَ أَصَابِعِي مَعَ أَرْبَعَتِكَ
تُنَادِينِي التَّسْعَةُ
أَشْبُ كَثِيرًا حَتَّى وَصَلْتُ
عَلَى حَوَافِ حَلَقَتِهَا أَدُورُ

أَطُوفُ
أَشْتَأِقُ إِلَيْكَ عَلَى شَفَتَيْكَ
تَقْبَلِينِي
فَيَضِيعُ مِنِّي قَلْقُ الْعُمْرِ
أَسْرَحُ فِي تَفَاصِيلِ الْوَاحِدِ
لِلْوَاحِدِ عَالَمٌ خَاصٌ
فِيهِ الشَّمْسُ مَعَ الْقَمَرِ
فِي نَفْسِ الْآنِ
وَالْوَقْتُ لَيْلٌ
لَا أَتَعَجَّبُ
فَلَأَرْقَامَكَ وَضَعْتُ خَاصٌ
فِي طُرُقَاتِ السَّبْعَةِ أَسِيرُ
لَا تُنْعِبْنِي ذُرُوبُكَ
أَجَاهِدُ
أَرْتَقِي
- فَالسَّبْعَةُ عِنْدَكَ مُخْتَلِفَةٌ -
حَتَّى الْإِلْتِقَاءِ
أَمَكْتُ يَوْمًا
بِأَلْفِ سَنَةٍ فِي أَرْقَامِ الْغَيْرِ

تَتَجَهَّمُ فِي وَجْهِ السَّتَةِ
هَلْ قُلْتُ أَرْقَامَ الْغَيْرِ؟
أَعْتَذِرُ بِشِدَّةِ
أَرْكَعَ تَحْتَ الْإِثْنَيْنِ لِلدَّهْرِ
أَتَوَسَّلُ
أَبْتِهَلُ أَنَا جِي
أَتَمَنَّى الْعَفْوَ وَالْغُفْرَانَ مِنَ الثَّلَاثَةِ
تَسَاقَطُ أَدْمُعِي
حِينَمَا اعْتَرَفْتُ لِلصِّفْرِ بِذُنُوبِي
سَيِّدِي الصِّفْرُ
يَا أَصْلَ الْأَرْقَامِ
يَا مُعْطِيَ الْمَعْنَى لِلْمُبْهَمِ
يَا مُبَدِّلَ أَحْوَالِ الْعَدَدِ
" لَمْ أَتَحَوَّلْ يَوْمًا عَنْ قِبَلَتِهَا
لَمْ أُلْسَاهَا لِحُظَّةٍ قَطُّ

كُلُّ ذُنُوبِي أَنَّ الْعِشْقَ لِدَاتِهَا أَلْسَانِي إِعْمَالَ الْعَقْلِ
وَحِينَ الْبُوحِ

"أَعَشَّقَكَ يَا أَنَا" قُلْتُ
لَمْ تَذَرِ هِيَ أَلَهَا أَنَا وَأَنْتِ مَا عُدْتُ أَنَا "
يُطْلِقُ الصَّفْرُ الْحُكْمَ
بِرِيءٍ أَلْتَ يَا حَلَّاجَهَا
أَعْطِيكَ صَكًا بِالصَّفْحِ
تَهْلَلُ أَجْزَائِي فَرَحًا
أَقَرُّ

فِي الْغَدِ
سَتَكُونُ نَتِيجَةُ جَمْعِ الصَّفْرِ لِلصَّفْرِ
صَفْرَيْنِ
وَلَيْسَ بِصَفْرِ
بِالْخَارِجِ
تَنْتَظِرُنِي أَرْقَامُكَ
الْإِثْنَانِ الْوَاحِدُ الثَّلَاثَةُ السَّبْعَةُ السِّتَّةُ الثَّمَانَةُ الْارْبَعَةُ
يَسْبِقُهُمْ جَمِيعًا الصَّفْرُ

فَالصَّفْرُ صِفْرُكَ
وَالْكُلُّ مِنْكَ

وَالْجُزْءُ مِنْكَ
وَأَنْتِ أَلْتِ
وَأَنَا أَلْتِ
أَصِيرُ الرَّاهِبَ الْعَابِدَ فِي مِحْرَابِ أَرْقَامِكَ
هِيَ لَقَّتِي
وَطَرِيقَتِي فِي عَشْقِكَ

ب (٣)

مُولَوِيَّةُ

عَلَى كَتَفِكَ
تَضَعِينَ عَبَاءَةَ مُوسِيقِيَّةٍ
عَارِيَةِ الْقَدَمَيْنِ تَسِيرِينَ
تَرْتَقِينَ عَلَى سُلَمٍ
أَوْتَارِ عُودٍ شَرْقِيٍّ
عَلَى حَافَةِ قَلْبِي تَجْلِسِينَ
تُمَدِّدِينَ رِجْلَيْكَ
تَهْزِينَهُمَا
فَيَطْرُبُنِي الصَّوْتُ
مِنْ تَخَلُّلِ الْهَوَاءِ بَيْنَ سَاقَيْكَ
تُمَدِّدِينَ ذِرَاعَيْكَ عَلَى قَلْبِي
تَسْتَنِدِينَ إِلَيْهِمَا
وَتَمِيلِينَ بِرَأْسِكَ لِلْخَلْفِ

وَتَشْرَعِينَ فِي غَنَاءِ أُغْنِيَةٍ
بَلُغَةٍ جَدِيدَةٍ
لُفَّةٌ تَخْرُجُ مِنْ شَفَتَيْكَ
أَلْفَاسًا

لَا كَلِمَاتٍ
لَا أَلْحَانًا
فَقَطْ أَلْفَاسُكَ

كَلِمَاتِي
وَأَلْحَانِي
تَذْقِينَ بِأَصَابِعِكَ
عَلَى سَطْحِ قَلْبِي
فَيَزِيدُ اللَّحْنَ طَرَبًا
يَزِيدُ إِشْرَاقًا

عَلَى وَقَعِ التَّغَمَّاتِ
تَتَشَكَّلُ النُّجُومُ فِي السَّمَاءِ
تَتَنَهَّدِينَ فَتَرْتَبِكُ كُلُّ الْمَخْلُوقَاتِ
لِسَمَاعِكَ

وَيَهْتَزُّ سَطْحُ قَلْبِي تَشَوُّقًا
يَخْلُو حَوْلَنَا الْكَوْنُ

يَرْتَفِعُ قَلْبِي
كَأَنَّهُ يَبْغِي أَنْ يُلَامِسَ بِكَ جِدَارَ السَّمَاءِ
تَبْدَأُ الشَّمْسُ فِي الْمَغِيبِ
تَهْبِطُ رُؤَيْدًا رُؤَيْدًا فَيَزِيدُ الْكَوْنُ ظِلَامًا
لِلظَّلَامِ صَوْتٌ مِنْ صَمْتٍ
تَقْفَيْنَ
تَشْدَيْنَ ذِرَاعَيْكَ كَأَنَّكَ تُحَاوِلِينَ إِمْسَاكَ شَيْءٍ مَا
يَبْتَغِدَانِ شَرْقًا وَغَرْبًا
تَرْفَعِينَ رَأْسَكَ
تَدُورِينَ
وَتَدُورِينَ
كَأَنَّكَ رَاقِصَةٌ مُوَلَوِيَّةٌ
تَمِيلُ رَأْسَكَ
كَأَنَّكَ تُحَاوِلِينَ سَمَاعَ أَسْرَارِ السَّمَاءِ
يَفْرَحُ قَلْبِي كُلَّمَا
وَطَأَتْهُ قَدَمَاكَ
يَشْفَعُ بِالنَّعْمِ فِي أَقْصَى الْجَوْفِ
يَضْطَرِبُ سَطْحُهُ

يَتَمَدَّدُ مُحَاوِلًا اسْتِيعَابَكَ

وَلَا زِلْتَ تَرْقُصِينَ

تَدُورِينَ

وَيَقْدَمُ عَلَيْكَ تَحْفُرِينَ عَلَى قَلْبِي

أَعْظَمَ لَحْنٍ فِي الْوُجُودِ

تَتَجَدَّبُ إِلَيْكَ أَلْحَانُ السَّمَاءِ

تَخْتَلِطُ بِنِعَمَاتِكَ

تُلْفِكَ جَمِيعَ الْأَصْوَاتِ

كَعَاصِفَةٍ حَثُونِ

تَغِيْبِينَ عَنْ عَيْنِي

تَهْدَأُ الْأَلْحَانُ

يَهْدَأُ الْمَكَانُ

وَقَدْ امْتَزَجْتَ أَلْتَ بِالْحَانَ السَّمَاءِ

وَقَدْ امْتَزَجْتَ بِخَلَايَا الْقَلْبِ

ب (٤)

عِشْقُ عَلَى جَسَدِ الْكَلِمَاتِ

عَلَى صَفْحَةِ بَيْضَاءَ

هَادئة

تَحُوطُهَا نَعَمَاتٌ مِنْ صَوْتِنَا

تَبْدَأُ قِصَّتَنَا

نَلْتَمِسُ الدَّفْءَ بِغَطَاءٍ مِنْ صَمْتٍ

نَتَعَرَّى تَحْتَهُ بِالْكَلِمَاتِ

وَكَرَسَمٍ لِلْقَلْبِ يَطْلُبُهُ طَيْبٌ

لِمَارِسِ عَشْقَنَا

أَبَادِرُ دَوْمًا

ذُبُلَبَاتٍ أَسْنَلَتِي

تَتَصَاعَدُ فِي أَثَرِ الْكَوْنِ

تُحِيطُ بِكَ

تُدَاهِمُكَ

تَذْهَبِينَ مِنْ رَغْبَتِي

مُسْتَعْلَةً دَوْمًا بِالْأَسْنَلَةِ
تَأْتِينِي إِجَابَاتُكَ هَادِنَةً
صَامِتَةً
تَعْرِفُ كَيْفَ تَزِيدُ الرُّغْبَةَ
تُمرُّرُ هَمَسَاتِهَا
عَلَى جَسَدِ الْأَسْنَلَةِ الْعَارِي
فَتَزِيدُ ذُبْدَبَاتِي
وَتَرْتَفِعُ صَوْتًا
تُصْبِحُ كَشْفَرَةٍ صَوْتِيَّةٍ
مُتَقَطَّةٍ
مُتَعَطِّشَةٍ
تَشْرَبُ مِنْ كُلِّ الثِّبَرَاتِ
هَامِسَةً أَوْ صَاخِبَةً
وَلَا تَرْقُوتِي
تَعْلَمِينَ ذَلِكَ
فَلَا تَبْخَلِينَ
تَسْقِينِي

وَتُطْعِمُنِي
وَلَا تَمْلِكُ
أَعَشَقْتُكَ حِينَ تَنْطَقِينَ
اعْتَادَتْ أُذُنِي أَنْ تَأْخُذَ ضَرْبَةً
مِنْ كُلِّ حُرُوفِكَ كَيْ تَسْمَعَهَا
لَمَسَةً عَلَى شَعْرِ الْمِيمِ
قُبْلَةً مِنْ هَمْزَاتِكَ
أَمَّا الْبَاءُ فِي كَلِمَةِ أَحَبُّكَ
فَتَقِفُ بَعْدَهَا الْأَبْجَدِيَّةُ طَائُورًا طَوِيلًا
قَدْ تَمَكَّنْتُ شَهْرًا عَلَى بَابِ السَّمْعِ
تَسْتَمْتِعُ فِيهِ أُذُنِي
تُضَاجِعُ أَحْرُفَكَ
مَعَ كُلِّ دَقَّةٍ
لَعَقْرَبِ الثَّوَانِي
وَعَكْسِ حَرَكَتِهِ
يَدُورُ صَوْتَانَا
يَتَمَرَّغانِ
عَلَى أَمْوَاجِ الْفَرَاغِ

نَفَقْتُ فِي كُلِّ دَوْرَةٍ
بَعْضَ حُرُوفِنَا
فَنَكُونُ مَعًا

آيَاتِ مِنْ عِشْقِي
بَلُغَةَ جَدِيدَةٍ
يَكُونُ لِلْحُبِّ فِيهَا
اسْمٌ جَدِيدٌ
فَلْيَكُنْ هُوَ اسْمُكَ
وَلْيَكُنِ الْعِشْقُ بِاسْمِي
أَتَمَدَّدُ أَمَامَكَ
خَطًّا مُسْتَقِيمًا
صَوْتًا

مَلِيَّةٌ بِفَرَاعَاتٍ
تَتَخَلَّلْنَ عَنْ حُضُورِكَ السَّمْعِي
تَتَحَوَّلِينَ لَصَوْتِ سَائِلٍ
يَعْمُرُنِي
يَمَحُونِي الْمَدُّ
وَيُشَكِّلُنِي الْجَزْرُ مِنْ جَدِيدٍ

فَتَزِيدُ فُقَاعَاتُ صَوْتِي

أَبْقَى هَكَذَا

أَبَدَ الدَّهْرِ

يَا نَاءَ مَنْطُوقَاتِكَ

100

1

2

3

4

5

6

7

8

9

10

11

12

13

14

15

16

17

18

19

20

21

22

23

مُفْتَسِّحٌ ثَالِثٌ

لَمْسَةً

تَعَلَّمْتُ أَحْيَرًا

كَيْفَ تُمَرِّينَ لَمْسَاتِكَ

مَا بَيْنَ أَشْوَاكِ

إِذَنْ ..

سَأُبَدِّلُ مَوَاضِعَهَا

ج (١)

مَا بَيْنِي وَبَيْنَ

مَا بَيْنِي وَبَيْنَ الْمَوْتِ

ثَلَاثُ شَهَقَاتٍ

خُطُواتٍ رَاقِصَةً

أُغْنِيَةً لِنَجَاسَةٍ

وَتَلَامُسُ أَيْدٍ عَلَى ظَهْرِ عَارٍ

يَقْشَعِرُّ الْبَدَنُ الْمَقْتُولُ

بِسَهَامٍ أَصَابِعِ دَافِنَةٍ

تَنْقَلُدُ نَابِضَةً

مَا بَيْنَ مَسَامِي

.....

شَهَقَةً

" يَا أَخْلَى لَيْلَةٍ فِي عُمْرِي حَبِيبِي جَمِي "

تَضْطَرِبُ الْبَشَرَةُ

مِنْ وَقَعَ دَقَّاتِ طُبُولٍ

أَنَا مِلَّ تَنْقُشُ

عَلَى سَطْحِ دِمَاءٍ

تَتَرَفَّقُ

تَسِيرُ

مِنْ أَطْرَافِ الْجَسَدِ

تَلَامِسُ يَدَيْكَ الْمَمْدُودَةَ

لَتَشْرَبَهَا

تُمْتَصُّ دِمَائِي

.....

شَهَقَةً

" يَا وَرْدَةَ بَيْضَةٍ فِي شَعْرِي حَبِيبِي جِي "

رَقِصَةَ دَمَوِيَّةٍ

عَلَى جَسَدِي

تَتَلَوْنَ قَدَمَاكَ

تَلْمِسُنِي

عَبْرَ دِمَائِي

مِنْ جَدِيدٍ

بدماءٍ قُدُسِيَّةٍ
تَضْحِكُنِي
تَمْلِكُنِي

.....

شَهَقَةٌ

" يَا عُقْدَ يَاقُوتَ عَلَي صِدْرِي حَبِيبِي جَنِي "

يَدَانِ عَلَي عُتْقِي
يَدَانِ عَلَي خَضْرُوكِ
رَقْصَةٌ مَا قَبْلَ الْمَوْتِ

.....

بَعْقِيدَةُ طُوطَمِيَّةٍ

عَلَي أَجْرَانِي

تَتْرُكِينَ

بَصَمَاتِ أَقْدَامِ حَافِيَةٍ

تَتْرُكِينَ شَفَتَيْنِ

تَتْرُكِينَ عَيْنَيْنِ

كَبَضَاتِ
خَفَقَاتِ
تُبْعِينِي
وَتَقْرِئِنِي الشَّهَادَةَ هَامِسَةً

.....

مَا بَيْنِي وَبَيْنَ الْحَيَاةِ
تَقْوِيمٌ جَدِيدٌ
أَحْسِبُ عُمْرِي
بِاللَّمَسَاتِ
أُرِيدِي عُمْرِي سَيِّدَتِي
وَأُطِيلِي عُمْرَ أَجْرَائِي
يَتَوَقَّفُ زَمَنِي بِتَوَقُّفِ لَمَسَاتِكَ
تُنَحْنِي خُطُوهُ بِالْحَنَاءِ أَتَكَ
يَتَرَأَّقِصُ مَعَ رَقَصَاتِ قَدِّ مَلَكِي
تَتَطَايَرُ أَيَّامُهُ
مَعَ خِصَلَاتِ الشَّعْرِ الثَّانِرِ

يَبْكِي وَيَضْحَكُ
لَجُنُونِ شَفَاهِكِ
يَنْشِي يَتَمَدَّدُ مَعَ أَحْلَامِكِ
يَطُولُ عُمْرِي
بِزِيَادَةِ خُطَوَاتِكَ عَلَى جَسَدِي
لَا تَتَوَقَّعِي مَلَكَتِي
أُخَيِّنِي عُمْرًا
لَكَ وَخَذُكَ
وَزَيْدِي مِنْ دَقَّاتِ
الْقَدَمِ الْمُرَبَّكَ
كَيْ أَتَعْلَمَ كَيْفَ يَكُونُ الْحُبُّ
فِي مَدْرَسَةِ مَلَكَتِي

.....

تَلْفِظِي جَنِينًا
تَمْسَحِينَ عَلَى شَعْرِي
بِقُبْلَاتِ نَاعِمَةٍ
تُطْعِمِينَ أَنَا مِلِّي
بِخَلَايَاكِ
تَكْسِينِي عُرْيَكَ

تَبِينِ مِنْ جَنَانِ عَيْنَيْكَ
عَلَى خَرَائِبِ مَاضِي الْفَارِقِ
قُصُورًا

مِنْ عِنَاقِ
وَالِدِمَاجِ
وَالْتِحَامِ

أَرْتَاحٍ فِيهَا عَلَى أَغْشَابِكَ
تُبُّشِينَ فِي رُوحِكَ

وَتُمَدِّدِينَ مِنْ خَلَايَايَ
كَيْ تَتَلَامَسَ فِي ثَوْبِ الْجَسَدِ سَوِيًّا
فَاحْيَا بِلَا خَطَا عِشْقِي أَبَدًا
لَا يَصِحُّ الْخَطَا مَعَ الْمَلَأَنَكَةِ
مَا بَيْنِي وَبَيْنَ الْجَنَّةِ
ثَلَاثَ شَهَقَاتٍ
خُطُوءَاتٍ رَاقِصَةٍ
أُغْنِيَةَ لِنَجَاةٍ

ج (٢)

شَظِيَّةُ

مَا بَيْنَ اللَّمْسَةِ وَاللَّمْسَةِ

حَيَاةُ

فِي وَقْتٍ مُسْتَقْطَعٍ

إِطْرَاقَةُ

نَفْسٍ مُتَهَدِّجٍ

جَسَدٍ عَارٍ

مِنْ تَفَاصِيلِهِ

تُبَاحُ

عَلَى كَتْفِي

مُسْتَجِدٌ يَجْرِي خَلْفِي

"لِلَّهِ" يَقُولُ

قَدَمٌ تَذُبُّ عَلَى أَوْحَالِ

جَسَدِيَّةٍ

سُبَابٌ بِالْجَهْلِ
عَلَى كُرْسِيِّ الْمَقْهَى
ثَدْيٍ صَارِخٍ
مِنْ طَعَنَاتِ بِالْخِنْجَرِ
أَغْنِيَةَ لِحْلِيمٍ
" وَالشَّعْرُ الْفَجْرِيُّ الْمَجْتُونُ يُسَافِرُ فِي كُلِّ الدُّنْيَا "
الدُّنْيَا

مَا بَيْنَ حَيَاةٍ وَحَيَاةٍ
أَتَسَرَّبُ لِلرَّحِمِ الْمُقْبِلِ
يُلَامِسُنِي رَوْبٌ حَرِيرِيٌّ
أَتَكْوَرُ دَاخِلَكَ
جَنِينًا

لَا أَلْمَسُ إِلَّا
آهَاتٍ رَاغِبَةٍ .

ج (٣)

سُهِرُورْدِي

بِالْقَتْلِ يَأْمُرُ

السُّلْطَانُ

يَهْتَزُّ فِرَاشَ الْمَوْتِ

تَتَلَوَّى بِأَسْفَلِ أُغْطِيَتِهِ

تَشَابِكُ

تَلَامَسُ

أَرْسَمُ بِرَوَاسِي

لَمَسَاتِ مَعْدُودَةٍ

عَلَى قَنَاطَةِ جَسَدِيَّةٍ

مَرْدُومَةٍ

يَنْحَسِرُ غَطَاءُ الرِّغْبَةِ

عَنْ عُرِّي فَاحِشٍ

وَقِيُودٍ

تُشَارِكُنَا اللَّذَّةُ
تُعَانِقَانِي
تَصْبِيَانِ بِجَوْفِي
رَحِيقًا
وَصَدِيدًا
وَحُلُودًا
تَقْتَرِبُ السَّاعَةُ
تَشْتَدُّ الرَّغْبَةُ حَدَّ الْأَلَمِ
وَتَمُوتُ
يَأْتِينِي الْجُنْدُ
وَبِأَحْجَارِ الْعِفَّةِ
أَرْجَمُ
وَأَسَاقُ
مَنْ أَعْلَى فَرَاشِ الزُّهْدِ
لِلطَّيْنِ الْفَقْهِيِّ
عَاشِقُ أَنَا
بَلْ كَافِرٌ
حَيًّا فَلْيُوضَعْ دَاخِلَ هَذَا الْكَفَنِ

.....
كَفَنُ أَبْيَضُ

تَلَامِسُ

تَشَابِكُ

تَلَوَى بِأَسْفَلِ أُغْطِيَتْهُ

يَهْتَرُ فِرَاشِ الْمَوْتِ

بِالْقَتْلِ يَأْمُرُ

السُّلْطَانُ

ج (٤)

حُلُولُ

تَذْهَبِينَ لِبَرَاءَتِي
لِصَفَاءِ الْغُرِّي
تَخْشَعِينَ
بَيْنَ يَدَيْكَ تَحْمِلِينِي
تَحْتَوِينِي أَنَا مَلِكُ
بِأَكْمَلِي
مَا بَيْنَ هَوَائِكَ
تَتْرُكِينِي
تُخْلَعِينَ عَنْكَ رِذَائِكَ
عَلَى جَسَدِي الْمَرْكُومِ
بَيْنَ زَوَايَا الْقَهْرِ
الْمَاضِي الْمَجْتُونِ
تَتَمَدَّدِينَ

تَلَامَسُ
يَعْلُو الصَّدْرُ مَعَ الصَّدْرِ
تُثِيرِينَ فِي الرُّغْبَةِ
بُكَاءُ
أَتَرْفِقُ قَطَرَاتِ
مَا بَيْنَ الْمَشْرِقِ وَالْمَغْرِبِ
تَخْتَلِطُ دِمَاءُ
الْمَاضِي الْمَذْبُوحِ
بِالطَّهْرِ الْعُذْرِيِّ
تَتَحَسَّسِينَ
جِرَاحَاتِي
مَكَانَ الْقَيْدِ
مَكَانَ الْقَمْعِ
مَكَانَ الشَّهْوَةِ الْمَقْتُولَةِ
تُعْمِضِينَ أَهْدَابَكَ
عَلَى عَيْنِي
يَزِيدُ تَسَاقُطُ الدَّمْعَاتِ
تَرْقُجِينَ

تَنْهَضِينَ
عَلَى أَطْرَافِ الْجَسَدِ الْمُلْقَى
تَقْفِينَ
تَغْزِلِينَ رَحِيقَكَ
غَطَاءً
مِنْ أَسْرَارِكَ
تُرْتَعِشِينَ
تَتَأَلَّمِينَ
تَتَمَزَّقِينَ
تَتَجَمَّعِينَ عَلَى أَجْزَائِي
وَتُصْبِحِينَ رِذَاءً
يُحْمِيهِ مِنْ كُلِّ شُرُورٍ

مُفَسِّحٌ رَابِعٌ

رَشْفَةٌ

حِينَ يَفْرَغُ كُوبُكَ
تَطْلُبِينَ الْمَزِيدَ
أَقْطُرُ رُوحِي
تَذَوِّقُهَا
وَاحْتَلِطِي بِهَا

1. 2. 3. 4. 5. 6. 7. 8. 9. 10. 11. 12. 13. 14. 15. 16. 17. 18. 19. 20. 21. 22. 23. 24. 25. 26. 27. 28. 29. 30. 31. 32. 33. 34. 35. 36. 37. 38. 39. 40. 41. 42. 43. 44. 45. 46. 47. 48. 49. 50. 51. 52. 53. 54. 55. 56. 57. 58. 59. 60. 61. 62. 63. 64. 65. 66. 67. 68. 69. 70. 71. 72. 73. 74. 75. 76. 77. 78. 79. 80. 81. 82. 83. 84. 85. 86. 87. 88. 89. 90. 91. 92. 93. 94. 95. 96. 97. 98. 99. 100.

1. 2. 3. 4. 5. 6. 7. 8. 9. 10. 11. 12. 13. 14. 15. 16. 17. 18. 19. 20. 21. 22. 23. 24. 25. 26. 27. 28. 29. 30. 31. 32. 33. 34. 35. 36. 37. 38. 39. 40. 41. 42. 43. 44. 45. 46. 47. 48. 49. 50. 51. 52. 53. 54. 55. 56. 57. 58. 59. 60. 61. 62. 63. 64. 65. 66. 67. 68. 69. 70. 71. 72. 73. 74. 75. 76. 77. 78. 79. 80. 81. 82. 83. 84. 85. 86. 87. 88. 89. 90. 91. 92. 93. 94. 95. 96. 97. 98. 99. 100.

د (١)

أَقَاتُ الْمَوْتَ

أَلْهَارُ الْكَوْنِ
مَا بَيْنَ الْقَدَمَيْنِ
تَعْرِفِينَ بِيَدَيْكَ
بِجَوْفِي تَصْبِيْنِ
وَتُعَاوِدِينَ
سِزِيفُ الْمَوْتِ
يَفْتَحُ مَا بَيْنَ الْفَكَيْنِ
يَمْلَأُنِي طَعْمُ السُّقُوطِ
طَرِيقُ الْمَوْتِ
سَرَابٌ وَمَطَرٌ
وَصَدِيدٌ
وَرَحِيلٌ
تَشْدِينُ الْوَتَرِ لِسَانِي

فَوْقَهُ
تَطْنِينَ
بُعْهْرِكَ
بِخَطَايَاكَ
يَتَسَّعُ جَوْفِي لِلْمَزِيدِ
رَوْتُ الْمَاضِي الدَّامِي
السَّاعَةُ الْعَاشِرَةُ
وَالْمَوْتُ يَدُقُّ الْأَبْوَابَ
يَقْذِفُ جُعَّتَهُ
طَعَامِي
وَيَمْضِي
بِلَا ظِلٍّ
يَتَسَكَّمُونَ فِي طُرُقَاتِي
يَنْحِتُونَ أَسْمَاءَهُمْ
عَلَى شَفَتِي
وَيَغْيُونَ بِالْدَّاحِلِ
لَا يَأْتِينِي سِوَى طَعْمِ الصَّرَخَاتِ
رَقْصَةً مُتَنَصِّفِ اللَّيْلِ

يُمَزَّقُونَ غِشَاءَ الرُّوحِ
يَتَذَفَّقُونَ
الْوَحْدَةَ
طَعْمُ أَغَانِي الْقُبُورِ
وَالْعَبِيدِ
يُرَقِّعُونَ تَقْوِي
فِي صَمْتٍ
يَتَرَكُونَ مَشَاعِلَهُمْ
أَغْمَضُ عَيْنِي
اسْتَعْدَادًا لِلْغَدِ

د (٢)

مَقَامُ

إِغْمَاءٌ
يَتَقَلُّنِي مُرِيدِي
أَتَوَسَّدُ صَدْرَكَ وَأَنَامُ
تَأْتِينِي الْكَرَامَاتُ
عَلَى حَافَّةِ قَلْبٍ خَافِقٍ
أُرْتَشِفُ اللَّيْلَ مِنْ عَيْنِكَ
أُذَوِّرُ وَأَرْقُصُ
أُغْتَرِفُ
مِنْ رِيْقِ عَذْبٍ
زَادِي
أَشْعَلُ مُصْبَاحِي
وَأَسِيرُ فَوْقَ دِمَائِكَ
أَتَمَهِّلُ

أَتَوْضًا
وَأُقِيمُ صَلَاتِي
بِمَسْجِدِ أَحْلَامِكَ
صَلَاةَ الْعِشْقِ
أَطِيرُ بِكَ
نُخْتِرُقُ الْحُجُبَ
نُشَاهِدِينَ جَمِيعَ مَقَامَاتِي
وَعِنْدَ حِجَابِ مَلَانِكْتِي
أَتَرَفَّقُ بِكَ
فَلَنَتَوَقَّفُ هُنَا
أَرْفَعُكَ
وَأُحَلِّقُ فِي فَرَاعَاتِ جَسَدِي
نُصَافِحِينَ الْمَلَائِكَةَ
أُطْعِمُكَ فِرَاقِي
تَسْقِينِي خَمْرِكَ
وَفَوْقُ نَصْلٍ
سَنَوَاتِ الْعُمُرِ الْآتِي
تَتَرَاقِصِينَ فَوْقَ ظِلَالِ قَمَرِيَّةٍ

تُدْعِيْنَ ذِكْرِيْ

تُدْوِرِيْنَ

تَتَسَاقَطِيْنَ

تَتَمَرَّقِيْنَ

إِعْمَاءُ

أَحْمَلُكَ بَيْنَ يَدَيَّ

أَتَوَسَّدُ صَدْرَكَ وَتَنَامِيْنَ

أَذُوْبُكَ أَمْطَارًا

أَمْتَصَّهَا كَرَضِيْعٍ

مِنْ نَهْدِيْكَ

تَأْتِيْكَ الْكَرَامَاتُ

و
.....

د (٣)

كَمْ عَدَدُ الْغُرَقَى؟

١

عَلَى الْمَقْهَى الْمُقَابِلِ لِرُجِ إِيْفِيلَ
أَرْتَشِفُ الرَّائِحَةَ الْبَارِيسِيَّةَ
تَمْرِينَ أَمَامِي
تُلْقِينَ وَشَاكَ وَسَتَتِينَ

.....

٢

فِي كُلِّ لَيْلَةٍ
تَكْشِفِينَ لِي سِرًّا مِنْ أَسْرَارِ أُتُوْتِكَ
وَتَحْرِمِينِي مِنْهُ
لَأَنِّي لَمْ أَكْشِفْهُ بِمُفْرَدِي

.....

فَوْقَ الْعَيْنِ الْيُسْرَى

تَطْبَعِينَ قُبْلَةَ

قَلْبِي

وَبِحَوْفِي

أَتَذُوقُ طَعْمَ دِمَائِكَ

تَمْسِكِينَ الْقَلَمَ بِيَدِي

وَتَخْطِينَ فَوْقَ جَسَدِكَ الْغَارِي

مَمْنُوعٌ

مَمْنُوعٌ

مَمْنُوعٌ

٥

لَأَتْلُكَ تُجِيدِينَ الْحَيَاكَةَ
تُغْلِقِينَ مَفْتُوحَاتِكَ
دَائِمًا
وَتُلْقِينَ بِجَوْفِي
سُمَّ الرِّغْبَةِ الدَّافِي

.....

٦

تَتَلَهَّفُ شَفَتَايَ لِقُبْلَةٍ
تَرْقُدِينَ اللَّوْحَةَ
وَتَرْسُمِينَ شِفَاهَا

.....

٧

سَرَابُ جَسَدِكَ
صُورَةُ رَحِيقٍ
تَمْتَدُّ يَدَايَ
تَصْفَعُنِي
فَأَفِيقُ

د (٤)

آدمُك

أَسْرَبُ مِنْ بَيْنِ الشَّقَتَيْنِ

أَسِيلُ بَدَاخِلِ جَوْفِكَ

تَنْذِرُ قِنِي

تَشْرِيبِي

تَبْتَلِعِي

أَجْرِي عَبْرَ دِمَائِكَ

وَحِينَ يَجِيئُكَ الْمَخَاضُ

أَتَشَبُّ دَاخِلَ رَحِمِكَ

وَأَرْفُضُ أَنْ أُولَدَ أَبَدًا

لَنْ أُطْرَدَ مِنْ جَنَّةٍ

بَعْدَ الْآنِ

مُفْتَحُ خَامِسُ

نَسْمَةٌ

يَسْرِقُ غَيْرُكَ أَشْيَائِي

أَتَسَلَّلُ مِنْ خَلْفِ قِشْرِ اللَّيْمُونِ

لَأَسْلُبَكَ كُلَّ رَوَائِحِكَ

تَسْتَشِقُّ
مِنْ غَيْرِكَ الْكَامِنَ بِدَاخِلِي
أَصْدَقَ كَلِمَاتِي فِي عَشْقِكَ
وَبَيْنَنَا

اتِّفَاقٍ سَرِّيٍّ
لَا يَسْعِفُنَا الْقَدَرُ الْآنَ

بِالْإِتِّحَامِ
فَلْتَنَوِّحْهُ كَلِمَاتٍ
يَغْزُوهَا الْأَدَبُ

بَلَا خَجَلٍ أَوْ حَيَاءٍ
فَلْيَسْطُرْ مَعًا عَشْقًا
يُحَلِّقُ بَعِيدًا

لِيَكُونَ هَوَاءُ أَلْفَاسِهِ
رَائِحَةَ مَلَائِكَةِ السَّمَاءِ
تَتَنَفَّسُ كَلِمَاتِي طَهْرَهَا
بِمُدَاعَبَةِ أُنُوتِكَ

هـ (١)

..... وَ ثِقَاتَيْنِ

مِنْ عُمْرِي
أَنْتَظِرُ
أَعْلَمُ أَنِّي سَأَجِدُكَ
تَحْتَرِقُ كُلُّ حَوَاسِي
تَلْهَمًا مِنْدُ غُصُورِ
رَغْبَةٍ فِي رُؤْيَاكَ
فِي سَبِيلِ الْبَحْثِ أَفْقِدُهَا حَاسَةً حَاسَةً
وَيَبْقَى فِي إِذْرَاكِ إِحْسَاسِي
بِرَأْنِخْتِكَ
أَشْمُهَُا غَيْرَ مَسَامِي
تَسْكُنِينَ بِهَا دَهْرًا فِي جَوْفِي
تَتَزَايِدُ دَوْمًا مَعَ
كَلِمَاتِ

تَتَنَفَّسُ عَفَّتْهَا
حِينَ تَتَخَلَّى كَلِمَاتِكَ عَنْ عُذْرَيْتِهَا

تَتَنَفَّسُ قُدْسِيَّتِهَا
بِدُخَانِ حَرِيقِ الْكَلِمَاتِ
لَحْظَةً تَعْرِى حُرُوفَنَا
وَتَلَامُسُهَا
تَذُوبُ مَعَا
فَتَصْبِحُ آلَافَ الْكَلِمَاتِ الدَّالَّةِ
عَلَى عِشْقِي وَعِشْقِكَ
تَكْشُرِينَ أَقْفَالَ ثِقَافَتِي
بِكَلِمَةٍ أُرِيدُكَ
تَسْتَرْجِعُ أَنْفِي رَائِحَةَ ثُرَائِي
فَأَحْمَلُ كَلِمَاتِي
كُلَّ ثِقَافَةِ الْعَاشِقِينَ الْمَخْطُوطَةِ
فِي ذَفَاتِي ذَاكِرَتِي
تُهَيِّجِينَ بِحُرُوفِكَ

كُلَّ زَوَائِحِ الرَّغَبَاتِ
تُقَلِّبِينَ عَجِينَ ثِقَاتِي الْعِشْقِيَّةِ
بِأَمْهِرِ الْحُرُوفِ
تَسْتَطِيعِينَ دَوْمًا
أَنْ تَهْمُرِيهَا عَلَى آمَالِكِ
وَأَمَالِي
وَتُشَكِّلِيهَا
عِنْدَمَا تُرِيدِينَ اسْتِكْشَافِي
وَلَا تَبْخَلِينَ
بِثِقَافَةِ تَحْمِيلِ أُثُوَّةِ عَاشِقَةٍ

تُحَاوِرُنِي
وَتَجْدُبُنِي
وَتَصْرَعُنِي شَهِيدًا
لِبَلَاغَةِ حُرُوفِهَا
لِسُمُومِ الْكَلِمَةِ بِجَانِبِ كَلِمَةٍ
تَتَرَقَّبُ عِبَارَاتِي النَّشْوَةَ
فِي أَحْرُفِكَ
وَتَتَرَقَّبِينَ ذِكُورَةَ كَلِمَاتِي
عَلَى صَفْحَةِ بَيْضَاءِ
تُحْرِقُ مَعًا أَجْسَادَنَا

بِتَضَاجِعِ حُرُوفِنَا
نَزْدَادُ لَهِيَا
لَهِيَا
تَأْكُلْنَا الرُّغْبَةُ
تَمَحُّوْنَا
وَلَا تُبْقِيَا
تَشْتَعِلُ حُرُوفُنَا
تَنْفَدُ
وَلَا يَبْقَى سِوَى
أَحْبُكَ
وَذَلِكَ
إِلَى أَنْ يَحِينَ الْوَقْتُ

1000

| | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | |
|---|---|---|---|---|---|---|---|---|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|------|
| 1 | 2 | 3 | 4 | 5 | 6 | 7 | 8 | 9 | 10 | 11 | 12 | 13 | 14 | 15 | 16 | 17 | 18 | 19 | 20 | 21 | 22 | 23 | 24 | 25 | 26 | 27 | 28 | 29 | 30 | 31 | 32 | 33 | 34 | 35 | 36 | 37 | 38 | 39 | 40 | 41 | 42 | 43 | 44 | 45 | 46 | 47 | 48 | 49 | 50 | 51 | 52 | 53 | 54 | 55 | 56 | 57 | 58 | 59 | 60 | 61 | 62 | 63 | 64 | 65 | 66 | 67 | 68 | 69 | 70 | 71 | 72 | 73 | 74 | 75 | 76 | 77 | 78 | 79 | 80 | 81 | 82 | 83 | 84 | 85 | 86 | 87 | 88 | 89 | 90 | 91 | 92 | 93 | 94 | 95 | 96 | 97 | 98 | 99 | 100 | 101 | 102 | 103 | 104 | 105 | 106 | 107 | 108 | 109 | 110 | 111 | 112 | 113 | 114 | 115 | 116 | 117 | 118 | 119 | 120 | 121 | 122 | 123 | 124 | 125 | 126 | 127 | 128 | 129 | 130 | 131 | 132 | 133 | 134 | 135 | 136 | 137 | 138 | 139 | 140 | 141 | 142 | 143 | 144 | 145 | 146 | 147 | 148 | 149 | 150 | 151 | 152 | 153 | 154 | 155 | 156 | 157 | 158 | 159 | 160 | 161 | 162 | 163 | 164 | 165 | 166 | 167 | 168 | 169 | 170 | 171 | 172 | 173 | 174 | 175 | 176 | 177 | 178 | 179 | 180 | 181 | 182 | 183 | 184 | 185 | 186 | 187 | 188 | 189 | 190 | 191 | 192 | 193 | 194 | 195 | 196 | 197 | 198 | 199 | 200 | 201 | 202 | 203 | 204 | 205 | 206 | 207 | 208 | 209 | 210 | 211 | 212 | 213 | 214 | 215 | 216 | 217 | 218 | 219 | 220 | 221 | 222 | 223 | 224 | 225 | 226 | 227 | 228 | 229 | 230 | 231 | 232 | 233 | 234 | 235 | 236 | 237 | 238 | 239 | 240 | 241 | 242 | 243 | 244 | 245 | 246 | 247 | 248 | 249 | 250 | 251 | 252 | 253 | 254 | 255 | 256 | 257 | 258 | 259 | 260 | 261 | 262 | 263 | 264 | 265 | 266 | 267 | 268 | 269 | 270 | 271 | 272 | 273 | 274 | 275 | 276 | 277 | 278 | 279 | 280 | 281 | 282 | 283 | 284 | 285 | 286 | 287 | 288 | 289 | 290 | 291 | 292 | 293 | 294 | 295 | 296 | 297 | 298 | 299 | 300 | 301 | 302 | 303 | 304 | 305 | 306 | 307 | 308 | 309 | 310 | 311 | 312 | 313 | 314 | 315 | 316 | 317 | 318 | 319 | 320 | 321 | 322 | 323 | 324 | 325 | 326 | 327 | 328 | 329 | 330 | 331 | 332 | 333 | 334 | 335 | 336 | 337 | 338 | 339 | 340 | 341 | 342 | 343 | 344 | 345 | 346 | 347 | 348 | 349 | 350 | 351 | 352 | 353 | 354 | 355 | 356 | 357 | 358 | 359 | 360 | 361 | 362 | 363 | 364 | 365 | 366 | 367 | 368 | 369 | 370 | 371 | 372 | 373 | 374 | 375 | 376 | 377 | 378 | 379 | 380 | 381 | 382 | 383 | 384 | 385 | 386 | 387 | 388 | 389 | 390 | 391 | 392 | 393 | 394 | 395 | 396 | 397 | 398 | 399 | 400 | 401 | 402 | 403 | 404 | 405 | 406 | 407 | 408 | 409 | 410 | 411 | 412 | 413 | 414 | 415 | 416 | 417 | 418 | 419 | 420 | 421 | 422 | 423 | 424 | 425 | 426 | 427 | 428 | 429 | 430 | 431 | 432 | 433 | 434 | 435 | 436 | 437 | 438 | 439 | 440 | 441 | 442 | 443 | 444 | 445 | 446 | 447 | 448 | 449 | 450 | 451 | 452 | 453 | 454 | 455 | 456 | 457 | 458 | 459 | 460 | 461 | 462 | 463 | 464 | 465 | 466 | 467 | 468 | 469 | 470 | 471 | 472 | 473 | 474 | 475 | 476 | 477 | 478 | 479 | 480 | 481 | 482 | 483 | 484 | 485 | 486 | 487 | 488 | 489 | 490 | 491 | 492 | 493 | 494 | 495 | 496 | 497 | 498 | 499 | 500 | 501 | 502 | 503 | 504 | 505 | 506 | 507 | 508 | 509 | 510 | 511 | 512 | 513 | 514 | 515 | 516 | 517 | 518 | 519 | 520 | 521 | 522 | 523 | 524 | 525 | 526 | 527 | 528 | 529 | 530 | 531 | 532 | 533 | 534 | 535 | 536 | 537 | 538 | 539 | 540 | 541 | 542 | 543 | 544 | 545 | 546 | 547 | 548 | 549 | 550 | 551 | 552 | 553 | 554 | 555 | 556 | 557 | 558 | 559 | 560 | 561 | 562 | 563 | 564 | 565 | 566 | 567 | 568 | 569 | 570 | 571 | 572 | 573 | 574 | 575 | 576 | 577 | 578 | 579 | 580 | 581 | 582 | 583 | 584 | 585 | 586 | 587 | 588 | 589 | 590 | 591 | 592 | 593 | 594 | 595 | 596 | 597 | 598 | 599 | 600 | 601 | 602 | 603 | 604 | 605 | 606 | 607 | 608 | 609 | 610 | 611 | 612 | 613 | 614 | 615 | 616 | 617 | 618 | 619 | 620 | 621 | 622 | 623 | 624 | 625 | 626 | 627 | 628 | 629 | 630 | 631 | 632 | 633 | 634 | 635 | 636 | 637 | 638 | 639 | 640 | 641 | 642 | 643 | 644 | 645 | 646 | 647 | 648 | 649 | 650 | 651 | 652 | 653 | 654 | 655 | 656 | 657 | 658 | 659 | 660 | 661 | 662 | 663 | 664 | 665 | 666 | 667 | 668 | 669 | 670 | 671 | 672 | 673 | 674 | 675 | 676 | 677 | 678 | 679 | 680 | 681 | 682 | 683 | 684 | 685 | 686 | 687 | 688 | 689 | 690 | 691 | 692 | 693 | 694 | 695 | 696 | 697 | 698 | 699 | 700 | 701 | 702 | 703 | 704 | 705 | 706 | 707 | 708 | 709 | 710 | 711 | 712 | 713 | 714 | 715 | 716 | 717 | 718 | 719 | 720 | 721 | 722 | 723 | 724 | 725 | 726 | 727 | 728 | 729 | 730 | 731 | 732 | 733 | 734 | 735 | 736 | 737 | 738 | 739 | 740 | 741 | 742 | 743 | 744 | 745 | 746 | 747 | 748 | 749 | 750 | 751 | 752 | 753 | 754 | 755 | 756 | 757 | 758 | 759 | 760 | 761 | 762 | 763 | 764 | 765 | 766 | 767 | 768 | 769 | 770 | 771 | 772 | 773 | 774 | 775 | 776 | 777 | 778 | 779 | 780 | 781 | 782 | 783 | 784 | 785 | 786 | 787 | 788 | 789 | 790 | 791 | 792 | 793 | 794 | 795 | 796 | 797 | 798 | 799 | 800 | 801 | 802 | 803 | 804 | 805 | 806 | 807 | 808 | 809 | 810 | 811 | 812 | 813 | 814 | 815 | 816 | 817 | 818 | 819 | 820 | 821 | 822 | 823 | 824 | 825 | 826 | 827 | 828 | 829 | 830 | 831 | 832 | 833 | 834 | 835 | 836 | 837 | 838 | 839 | 840 | 841 | 842 | 843 | 844 | 845 | 846 | 847 | 848 | 849 | 850 | 851 | 852 | 853 | 854 | 855 | 856 | 857 | 858 | 859 | 860 | 861 | 862 | 863 | 864 | 865 | 866 | 867 | 868 | 869 | 870 | 871 | 872 | 873 | 874 | 875 | 876 | 877 | 878 | 879 | 880 | 881 | 882 | 883 | 884 | 885 | 886 | 887 | 888 | 889 | 890 | 891 | 892 | 893 | 894 | 895 | 896 | 897 | 898 | 899 | 900 | 901 | 902 | 903 | 904 | 905 | 906 | 907 | 908 | 909 | 910 | 911 | 912 | 913 | 914 | 915 | 916 | 917 | 918 | 919 | 920 | 921 | 922 | 923 | 924 | 925 | 926 | 927 | 928 | 929 | 930 | 931 | 932 | 933 | 934 | 935 | 936 | 937 | 938 | 939 | 940 | 941 | 942 | 943 | 944 | 945 | 946 | 947 | 948 | 949 | 950 | 951 | 952 | 953 | 954 | 955 | 956 | 957 | 958 | 959 | 960 | 961 | 962 | 963 | 964 | 965 | 966 | 967 | 968 | 969 | 970 | 971 | 972 | 973 | 974 | 975 | 976 | 977 | 978 | 979 | 980 | 981 | 982 | 983 | 984 | 985 | 986 | 987 | 988 | 989 | 990 | 991 | 992 | 993 | 994 | 995 | 996 | 997 | 998 | 999 | 1000 |
|---|---|---|---|---|---|---|---|---|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|------|

هـ (٢)

فَرَجُ الْوَطَنِ

سَمَاءٌ

شَمْسٌ

قَمَرٌ

نُجُومٌ

هَوَاءٌ

تُرَابٌ

وَمَاءٌ

أَتَشْمَمُ كُلَّ تَفَاصِيلِكَ

أَمْرٌ بِكُلِّ ذُرُوبِكَ السَّرِيَّةِ

أَسْتَنْشِقُ

أَمَلًا رَيْتِي الرِّغْبَةَ بِدَاخِلِي

أَتَحَسُّ كُلَّ أَجْزَائِكَ

فَتَرِيدُ الرَّجْفَةَ بِجَسَدِي

يَشْتَعِلُ بِخُورِ الشَّهْوَةِ بَقْلِي
فَيَظْلُ دُخَانُهُ مُتَصَاعِدًا
أَفْرِغْ مَا بِجَوْفِي مِنْ هَوَاءٍ
وَأَبْدَأْ مِنْ جَدِيدٍ
أَطِيلُ شَهْقِي
فَتَرِيدُ الرَّغْبَةُ
تَحْتَرِقُ أَجْزَائِي شَوْقًا
تَنْزَعِينِ عَنكَ ثِيَابَكَ
وَتُعْطِينِي خَرِيطَةً
تُمْسِكِينَ بِي بِإَصْبَعَيْنِ
وَتَرْمِينِي فِيكَ
دَاخِلِ الْحِنَاءَاتِ حُدُودِكَ أَوْ حُدُودِ الْحِنَاءَاتِكَ
أَتَوْهُ فِيكَ
كَعَادَتِي
وَلَا يُطْمَئِنُّنِي سِوَى
أَنْتِي لَازِلْتُ عَلَى جَسَدِكَ
أَخْلَعُ ثِيَابِي

أَمْسَكَ بِالْخَرِيطَةِ
وَأْمُرْ فَرِحًا عَلَى أَجْزَائِكَ
بَعْدَمَا

حَدَّثْتُ أَهْدَافِي
هَنَا سَاغِرُ
سَاغِرُ
سَائِبْتُ حَيِّي
وَذُكُورَتِي
وَأَنِّي الْجَدِيرُ
بِتَوَلِّي مَهَامِ أَلْوَتِكَ
لَأَبْدَأُ عَصْرًا جَدِيدًا
تُسَلِّمِينَ لِي فِيهِ عُذْرَتِكَ
أَسِيرُ شُهُورًا
سَنِينًا
أَفْقَدُ كُلَّ حَوَاسِّي
إِلَّا
حَاسَّةَ حُبِّ رَاغِبٍ

تَتَنَامِي
مَعَ عُمْرِي الذَّائِلِ فِيكَ
تَرْشُدُنِي إِلَى هَدْفِي
وَبَطْرِيقِ الصُّدْفَةِ
أَصِلُ
تَشْتَعِلُ بِدَاخِلِي كُلُّ الْمَشَاعِرِ
وَأَهْمُ لَأَذْفَنَ فِيكَ
عَشَقَ الْعُمْرَ وَرَغَبَتِهِ
أَتَهَلَّلُ
أَرْقُصُ
أَصِيحُ
" ضَاجَعْتُ الْوَطْنَ "
أَتَشَمُّ مِنْهُ كُلَّ الرَّغْبَةِ فِيَّ
لَا يَتَحَمَّلُ
جَسَدِي الْمُتَهَكَّ
عُمْرِي الْآفِلِ
أَسْقُطُ
أَبْكِي
حِينَ أُذْرِكُ

أَنَّ الْوَطَنَ الْبَكْرَ
مَا عَادَ يَنْعِي دُكُورًا
أَوْ حَتَّى إِنَاثًا
شَادَّ هُوَ
حِينَ أَقُولُ
" ضَا جَعْنِي الْوَطَنَ "
أَمُوتُ

دُونَ أَنْ أَطْمَئِنَّ لِكُونِي لَا أَزَالُ عَلَى جَسَدِهِ
دُونَ أَنْ يُعْطِيَنِي الْفُرْصَةَ
لِلْأُتُوبِ
فَقَطُّ أَرَدُّ
هَازِنًا
وَطَنِي فَتَحَيَا !!

هـ (٣)

حُبُّ عَلَى رَائِحَةِ الثُّورَةِ

قَبْلَ بَدْءِ الْخَلْقِ
فِي بَرْزَخٍ مَا بَيْنَ عَالَمَيْنِ
الَّتَقَيْنَا

رِيَّاحًا
أَلْفَاسُكَ

تَتَخَلَّلُ كُلَّ خَلَابَايَ
تَغْزُوهَا وَتَرْفَعُ غَلَمَ الثُّورَةِ فِي كُلِّ دُخَانِي
تَهْلُلُ سَمَائِي وَتَهْتِفُ فَلْتَحْيَا الثُّورَةَ
تَتَعَشُّ

تَهَيَّأْ لَاسْتِسْلَامِ تَحْلُمُ بِهِ
تُنَحِّنِي أَمَامَ عَاصِفَتِكَ رَاكِعَةً
تُسْقِينِي مِنْ هَوَائِكَ مَا يَسُدُّ الظُّمَأْ
أَسْتَنْشِقُ وَأَطِيلُ

لَا تَكُفِّينَ وَلَا أَكُفُّ
أَشْعُرُ بِكَ تَمْلِكِينَ كُلَّ فِكْنَاتِ أَلْفَاسِي
تَطْرُقُ زَفْرَاتُكَ
أَبْوَابَ إِدْرَاكِ
فَأَصِيرُ
الْعَارِفِ بِكَ
أَنْفَاسِكَ
نَظَرَاتِكَ
النَّفَاطَاتِكَ
جُمُوحِكَ وَجُنُونِكَ
شَمَمْتُ الرَّغْبَةَ فِي جَوْفِكَ
وَشَمَمْتُ الْخَجَلَ
رَائِحَةَ الْخَوْفِ
الْقَلْقِ
الْتَرَقُّبِ
الْتَحَدِّي
وَالْأُتُونَةِ
ضَاجَعْتُ غُطُورَكَ

وَسَيِّئَتْ مِنْهَا فِي ذَاكِرَةِ الْأَلْفِ

مَا أَتَحَرَّشُ بِهِ فِي خَلَوَاتِي

مَا يَضَعُفُ أَمَامَ رَائِحَةِ ذُكُورَتِي

أَصْبَحُ مُحْتَلًا غَارِ

مِنْ كُلِّ نَوَافِدِكَ

آتِيكَ

وَلَا تَمْلِكِينَ أَمَامَ أَعَاصِيرِي سِوَى الْإِسْحَابِ

وَالْإِخْرَاطِ فِي بَرْلَمَانِ فُحُولَتِي

تَمُدِّينَ نِيرَانِي بِوَقُودِكَ

تَزُودِينَ ثَوَارِي بِذَخِيرَتِكَ

تَقْفِينَ أَمَامَ الشَّعْبِ السَّاكِنِ

مَبْهُورًا بِالْعَظَمَةِ

تَخْطُبِينَ

لَمْ تَصْدُرْ مِنْكَ كَلِمَةٌ

تُحَرِّكِينَ سُجُوبَكَ فِي غُلَافِكَ

فَتُمَطِّرُ عَلَى الشَّعْبِ الرَّاعِبِ

يَتَعَلَّمُ مِنْكَ كَيْفَ يَكُونُ الْعِشْقُ

فِي زَمَنِ الثَّوْرَةِ
فِي زَمَنِ الثَّوْرَةِ
كَيْفَ تَكُونُ رَائِحَةُ الْحُبِّ
مُنْبَعِثَةً مِنْ فُوْهَةِ الْمَذْفَعِ
فِي زَمَنِ الثَّوْرَةِ
كَيْفَ يَكُونُ لِكُلِّ الشَّعْبِ
أَنْ يَجْلِسَ عَلَى عَرْشِ السُّلْطَةِ
أَنْ يَمْشِيَ بِرِداءِ الْحَاكِمِ
أَنْ يَحْلُمَ فِي سَرِيرِهِ
أَحْلَامَهُ لَا أَحْلَامَ الْحَاكِمِ
يُرَدِّدُ فِي أَوْقَاتِ فَرَاغِهِ
تَرَائِمَهُ لَا أَتَاشِيدَ الْحَاكِمِ
فِي زَمَنِ الثَّوْرَةِ
أَنَا الثَّائِرُ وَالْمُتَارُ وَالْمُثِيرُ
وَأَلَتِ الثَّوْرَةُ

هـ (٤)

عَلَى عَرْشِ الْجَسَدِ

يَتَرَدَّدُ الْخَبَرُ فِي كُلِّ مَكَانٍ
الْيَوْمَ يَوْمَ جُلُوسِ الْمَلِكَةِ عَلَى الْعَرْشِ
جَسَدِي
الْيَوْمَ سَتَكُونُ الْبِلَادُ جَمِيعُهَا مِلْكُهَا
جَسَدِي

تُعَلِّقُ اللَّافَنَاتُ بِكُلِّ مَكَانٍ
فِي الشُّرَفَاتِ مُكَبِّرَاتِ الصَّوْتِ
بَأْغَانٍ تَهْتَفُ بِاسْمِهَا
لَا يَذَرِي أَحَدٌ مَنْ عَلَّقَهَا
الْجَوُّ مُعَطَّرٌ بِرَائِحَةِ الْبَهْجَةِ
لَا يَذَرِي أَحَدٌ مَنْ يَنْشُرُهَا
وَاجِهَةُ الدَّوْلَةِ عَلَى أَوْجِ الْفَرَحَةِ
تَشُمُّ الْأَنْوْفُ رَوَائِحَ عِدَّةٍ

تَرْقُبَ

الِنْتَظَارَ

أَمَلْ

وَلَا شَيْءَ

يَبْدَأُ الْمَوْكِبُ

مِنْ أَوَّلِ هَذَا الْجَسَدِ الْمُتَهَالِكِ

رَائِحَةُ بَارُودِ الطَّلَقَاتِ النَّارِيَّةِ

تُحَيِّي الْمَوْكِبَ صَارِخَةً

الْجُنُودُ بِأَعْلَى كُلِّ مَبَانِي الْمُرْتَفَعَةِ

تَأْمِينًا لِلْمَوْكِبِ

رَائِحَةُ الْوَرْدِ بِكُلِّ مَكَانٍ

يَسِيرُ الْمَوْكِبُ بِكُلِّ أَلْحَانِي

يَمُرُّ بِأَسْفَلِ كُلِّ اللَّافِتَاتِ

"نَحْنُ لَكَ"

"الْيَوْمَ يَبْدَأُ التَّارِيخُ"

"الشَّعْبُ شَعْبُكَ
الْأَمْرُ أَمْرُكَ
الْمُلْكُ مُلْكُكَ"

تَشِعُّ مِنَ الْمَلِكَةِ رَائِحَةُ النَّشْوَةِ
مُتَوَّجَةً تَخْطِئِينَ فَوْقَ جَسَدِي
تَعْتَلِينَ فَوْقَ الْعَرْشِ
تَخْطِئِينَ فِي شَعْبِكَ
أَنَا الْمَلِكَةُ
مِنَ الْيَوْمِ سَتَتَعَمُّونَ بِحُكْمِي
يَهْتَفُ الشَّعْبُ بِاسْمِكَ
مِنَ الْيَوْمِ أَنَا لَكُمْ
مِنَ الْيَوْمِ
مِنَ الْيَوْمِ
.....
سَيِّدَتِي بَعْدَ جَفَافِ رَوَائِحِي
لَسْتُ أَنَا مَنْ تَبْعِينَ

فَلْتَقُومِي بِجَوْلَةٍ فِي الْبِلَادِ
وَتَفْقِدِي أَحْوَالَ الرِّعْيَةِ
عَلَى هَذَا الْمَقْهَى الْبَعِيدِ

تَقْضُلِي بِالْجُلُوسِ
وَاطْلُبِي مَشْرُوبًا بِرَائِحَةِ الْقَهْوَةِ ...
وَاسْمَعِي كَلَامًا بِرَائِحَةِ الْأُلْفَةِ ...
وَابْتَسِمِي بِرَائِحَةِ الرِّضَى

فَهَذَا مَا يَفْعَلُهُ الْجَمِيعُ
عَلَى رَصِيفِهِ الْمُقَابِلِ
أَتَرِينَ أَشْجَارِي؟
أَتَرَالِ عَالِيَةً؟
أَتَشْمِينَ رَائِحَةَ الْإِخْصَابِ؟
رَائِحَةَ اللَّوْنِ الْأَخْضَرِ بِالنَّدَى

.....

سَيِّدَتِي
اخْلَعِي ثَغْلِيكَ
إِنَّكَ فِي جَسَدِي الْمُقَدَّسِ هُنَا
وَعُصِي بِقَدَمَيْكَ
فِي أَوْحَالِي
انْزَعِي عَنْكَ مَلَابِسَكَ
وَقِفِي
فِي وَسْطِ الْمِيدَانِ عَارِيَةً
فَهْدِي الرُّعْيَةَ مِنْذُ الْأَزَلِ
لَمْ تَعْرِفْ سِوَى رَائِحَةِ الْجُوعِ
لَمْ يَرَوْا يَوْمًا مَلِكًا مِنْ طِينٍ
.....

فِي اللَّيْلِ
تَسَلَّلِي مِنْ حُجْرَتِكَ
وَبِأَعْلَى شُرُفَاتِ الْأَحْلَامِ
شَاهِدِي أَحْلَامَهُمْ
فِي كُلِّ حُلْمٍ بَابٌ مَفْتُوحٌ
فِي كُلِّ حُلْمٍ قَبْوٌ مَخْفِيٌّ

لِمَ الْأَبْوَابُ مَفْتُوحَةٌ؟
أَمْرٌ مِنْ زُؤَارِ رِقَابَةِ الْأَخْلَامِ
وَلِمَاذَا الْقَبُورُ الْمَخْفِيَّةُ؟
لِلْأَخْلَامِ الْمَمْنُوعَةِ
لَا قَبْرٌ بِلَا سَوِّطٍ
إِذَا مَا اكْتَشَفَ الْحُلْمُ
لَا أَحَدٌ لَا يَحْلُمُ
الْكُلُّ يَحْلُمُ بِالرَّضَى
هَكَذَا يَجِبُ أَنْ يَكُونُوا
وَالْكُلُّ يَدْعُو لِلْمَلِكِ

.....
عَلَى جَسَدِي ابْحَثِي
فَتَّشِي
عَنْ رَائِحَةِ حَيَاةٍ
لَنْ تَجِدِيهَا
فَشَعْبِي مُنْذُ عُصُورٍ
قَدْ فَقَدَ حَيَاتَهُ

مَلِكْتِي
أَبْحَثِي عَنْ غَيْرِي
خَارِجَ حُدُودِ هَذَا الْجَسَدِ
فَلَسْتُ أَنَا ذَاكَ الْوَطَنِ .

الفهرس

| | |
|--------------------------------|----|
| إهداء..... | ٥ |
| مَذْخَلُ تَسَايِيحُ..... | ٧ |
| مُفْتَحُ أَوَّلِ نَظْرَةٍ..... | ٩ |
| أ (١) لِلْعِشْقِ لَوْنٌ..... | ١١ |
| أ (٢) زَعِيمُ بِلَادِكَ..... | ١٧ |
| أ (٣) السُّقُوطُ..... | ٢٣ |
| أ (٤) أَلْسُونَانُ..... | ٢٩ |
| مُفْتَحُ ثَانِ هَمْسَةٍ..... | ٣٥ |
| ب (١) الصَّوْتُ أَلْتِ..... | ٣٧ |
| ب (٢) حَلَاجُ..... | ٤١ |

- ب (٣) مُؤَلَّوِيَّةٌ ٤٧
- ب (٤) عِشْقٌ عَلَى جَسَدِ الْكَلِمَاتِ ٥١
- مُفْتَحُ ثَالِثٍ لَمْسَةٌ ٥٧
- جـ (١) مَا بَيْنِي وَبَيْنَ ٥٩
- جـ (٢) شَطِيطَةٌ ٦٥
- جـ (٣) سَهْرَوَرْدِي ٦٧
- جـ (٤) حُلُولٌ ٧١
- مُفْتَحُ رَابِعٍ رَشْفَةٌ ٧٥
- د (١) أَقَاتُ الْمَوْتِ ٧٧
- د (٢) مَقَامٌ ٨١
- د (٣) كَمْ عَدَدُ الْعَرَفِيِّ؟ ٨٥

- مُفْتَحُ خَامِسٍ نَسْمَةُ ٩١
- هـ (١) وَ ثَقَاتَيْنِ ٩٣
- هـ (٢) فَرَجُ الْوَطَنِ ٩٩
- هـ (٣) حُبُّ عَلَى رَائِحَةِ الثَّوَرَةِ ١٠٥
- هـ (٤) عَلَى عَرْشِ الْحَسَنِ ١٠٩